▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 256 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 14-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नीतीश कुमार ने सत्ता छोड़ने से पहले बिहार का खजाना खाली किया : तेजस्वी
6 डॉ. अबेडकर का योगदान और आधुनिक भारत की दिशा
7 महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण ऐतिहासिक कदम : रुपाली गांगुली

फर्स्ट टेक

77 करोड़ रुपए की साइबर धोखाधड़ी का पर्दाफाश, 16 गिरफ्तार

गांधीनगर/भाषा। गुजरात पुलिस ने देश भर में दर्ज 375 मामलों से जुड़े 77 करोड़ रुपए के साइबर धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है और राज्य के विभिन्न स्थानों के साथ-साथ गोवा से 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने साइबर अपराध और जुआ संबंधी धोखाधड़ी से प्राप्त धन के हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाने के लिए फर्जी बैंक खातों का एक नेटवर्क स्थापित किया था। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने अन्य व्यक्तियों के नाम पर बैंक खाते और सिम कार्ड प्राप्त किए, और बाद में इन खातों का उपयोग साइबर धोखाधड़ी योजनाओं को अंजाम देने के लिए किया गया।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती हुई पॉप गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स

लॉस एंजिलिस/एपी। दिग्गज पॉप गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स शराब और मादक पदार्थों के प्रभाव में वाहन चलाने (डीयूआई) के संदेह में अपनी गिरफ्तारी के करीब एक महीने बाद नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती हुई हैं। स्पीयर्स के एक प्रतिनिधि ने रविवार को 'द एसोसिएटेड प्रेस' को भेजे एक ईमेल में बताया कि ब्रिटनी (44) ने स्वेच्छा से केंद्र में अपना पंजीकरण कराया है। कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल (सीएचपी) के अनुसार, पांच मार्च को अधिकारियों को सूचना मिली थी कि वेंचुरा काउंटी में यूएस 101 पर एक बीएमडब्ल्यू कार बेहद तेज गति और अनियंत्रित तरीके से जा रही है।

ट्रंप की योजना का समर्थन नहीं करता ब्रिटेन : स्टार्मर

लंदन/एपी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने सोमवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के जवाब में ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी करने संबंधी अमेरिका की योजना का उनका देश समर्थन नहीं करेगा। स्टार्मर ने बीबीसी रेडियो से कहा, ''हम नाकाबंदी का समर्थन नहीं कर रहे और हम युद्ध में नहीं पड़ेंगे।'' उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के प्रयास प्रमुख जलमार्ग को फिर से खोलने पर केंद्रित हैं, जिसके बंद होने से तेल और अन्य वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। स्टार्मर ने यह बात तब कही जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ब्रिटेन जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंग हटाने वाले जहाज भेजेगा। ब्रिटेन ने कहा कि वह लड़ाई बंद होने के बाद ही जलमार्ग में बिछी बारूदी सुरंगों को हटाने में मदद कर सकता है। स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन की सारी सैन्य क्षमता जलडमरूमध्य को ''पूरी तरह से खोलने'' पर केंद्रित है।

14-04-2026 सूर्यास्त 6:21 बजे	15-04-2026 सूर्योदय 5:56 बजे
BSE 76,847.57 (-702.68)	NSE 23,842.65 (-207.95)
सोना 15,698 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 248,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दागी देश

कैसा चरित्र जन का होगा,
जनप्रतिनिधि यदि होंगे दागी।
गुण्डों की होगी मौज बड़ी,
सब भ्रष्ट बनेंगे सहभागी।
होगा समाज में विचलन तब,
सारे होंगे रोगी-रागी।
हर तरफ अराजकता होगी,
सड़कों पर घूमेंगे बागी।।

द्रमुक सरकार ने भ्रष्टाचार को व्यवस्था का हिस्सा बनाया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को तमिलनाडु में द्रमुक सरकार पर ''भ्रष्टाचार को व्यवस्था का हिस्सा बनाने'' का आरोप लगाया और कहा कि दक्षिणी राज्य के लोग बदलाव की उम्मीद से भाजपा-राजग की ओर देख रहे हैं। 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के बूथ-स्तरीय कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत में मोदी ने यह भी कहा कि वह जानते हैं कि तमिलनाडु के लोग सत्तारूढ़ द्रमुक को उसके कथित कुशासन के लिए दंडित करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु में द्रमुक सरकार ने भ्रष्टाचार को व्यवस्था का अभिन्न अंग बना दिया है। हर विभाग अनियमितताओं में लिप्त है। कई मंत्री मुकदमों का सामना कर रहे हैं। भ्रष्टाचार, कमीशन और रिश्वतखोरी द्रमुक सरकार की पहचान बन गए हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब द्रमुक के केंद्र सरकार में शामिल होने के बावजूद तमिलनाडु में कोई नई परियोजना नहीं आती थी और चाहे कितनी भी समस्याएं हों, उनका कोई समाधान नहीं किया जाता था। उन्होंने कहा, ''और फिर आज का समय है, जब राजग सरकार रेलवे, राजमार्गों और हवाई अड्डों के लिए बड़ी परियोजनाएं ला रही है। यह तेजी से काम कर रही है।'' मोदी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण ही तमिलनाडु के लोगों के बीच अब एक नया माहौल बना है।

21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक की दहलीज पर भारत : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक की दहलीज पर है क्योंकि संसद उस समय ''नया इतिहास'' रचेगी जब 2029 से महिला आरक्षण अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए, इस सप्ताह इसमें संशोधन किया जाएगा।

मोदी ने 16 अप्रैल से शुरू हो रहे संसद के तीन दिवसीय सत्र से पहले यहां आयोजित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में कहा कि इस कानून के लागू होने से अतीत की परिकल्पनाएं साकार होंगी और भविष्य के संकल्प पूरे होंगे। उन्होंने शासन में महिलाओं के योगदान की सराहना की और जोर दिया कि उनमें से कई बड़ी भूमिकाओं के लिए तैयार और उत्सुक हैं। मोदी ने सम्मेलन में कहा, ''हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। ऐसा नया इतिहास, जो अतीत की परिकल्पनाओं को साकार करेगा और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। यह ऐसे भारत का संकल्प है, जो समतावादी हो, जिसमें सामाजिक न्याय केवल नारा न होकर हमारी कार्य संस्कृति और निर्णय प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा हो।''

'एआई स्वास्थ्य देखभाल में बदलाव ला रही, पर मानवीय सहानुभूति का कोई जोड़ नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं में हो रही तीव्र प्रगति चिकित्सा क्षेत्र को बदल रही है, लेकिन मरीज की देखभाल के मामले में मानवीय सहानुभूति का कोई जोड़ नहीं है।

राजकोट में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पहले दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं ने चिकित्सा जगत का चेहरा तेजी से बदल दिया है। उन्होंने युवा चिकित्सा पेशेवरों से आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान एवं कौशल को बढ़ाने और बीमारियों का अधिक प्रभावी ढंग से इलाज करने के लिए इन नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए तैयार रहें। मुर्मू ने हालांकि कहा कि ऐसी नई तकनीकें कभी भी मानवीय सहानुभूति की जगह नहीं ले सकतीं। उन्होंने कहा, आपके सौम्य शब्द, आश्वस्त करने वाली एक मुस्कान और मरीज की चिंताओं को सुनने की तत्परता अक्सर अकेले दवा से कहीं अधिक असरदार साबित हो सकती है। मुर्मू ने कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा के प्रति एक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि एम्स जैसे संस्थानों को अपनी भावी विकास योजनाओं को क्षेत्रीय स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं के हिसाब से ढालना चाहिए।

राष्ट्रपति ने एम्स राजकोट के लिए स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने संस्थान से आग्रह किया कि वह अपने प्रयासों को खास तौर पर ग्रामीण और आदिवासी आबादी वाले इलाकों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार तथा सिकल सेल एनीमिया जैसी आनुवंशिक बीमारियों के इलाज पर केंद्रित करे।

आशा भोसले पंचतत्व में विलीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रख्यात गायिका आशा भोसले का मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट पर सोमवार शाम हिंदू रीति-रिवाज और पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

संगीत जगत की जानी-मानी हस्ती को अंतिम विदाई देने के लिए शिवाजी पार्क के अंदर और बाहर काफी संख्या में लोग एकत्र थे। पृष्ठभूमि में आशा का गाया गीत, ''अभी ना जाओ छोड़कर...'' बज रहा था।

संगीत की दुनिया पर दशकों तक राज करने वाली महान गायिकाओं की पीढ़ी में शुमार शायद वह आखिरी गायिका थीं। उनका अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज और पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। उन्हें बंदूकों की सलामी दी गई।

'स्वर साम्राज्ञी' लता मंगेशकर की बहनों में से एक, आशा भोसले का रविवार को निधन हो गया था। वह 92 वर्ष की थीं। उनकी बड़ी बहन लता का भी फरवरी 2022 में 92 वर्ष की आयु में रविवार के दिन ही निधन हो गया था।

पुरोहितों ने पीले और नारंगी रंग के गेंदे के फूलों से सजी चिता के चारों ओर मंत्रोच्चार किया। भोसले के बेटे आनंद ने उन्हें मुखाग्नि दी।

भोसले की पोती जनाई के आंसू रूकने का नाम नहीं ले रहे थे। बहन उषा मंगेशकर और संगीतकार भाई हृदयनाथ मंगेशकर भी वहां मौजूद थे।

2027 में भारत में होगी फार्मूला वन की वापसी

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि उन्हें यकीन है कि 2027 में भारत में फॉर्मूला वन रेस की वापसी होगी और इसके लिए कर संबंधी बाधाओं को दूर किया जायेगा जिसकी वजह से 2013 के बाद भारत में रेस नहीं हुई है । मांडविया ने यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में इस रेस के आयोजन के लिए कम से कम तीन कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने कहा, ''भारत में 2027 में फॉर्मूला वन रेस होगी। पहली रेस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगी।'' भारत इससे पहले फॉर्मूला वन रेस इंडियन ग्रां प्री आयोजित कर चुका है, लेकिन कर और नौकरशाही संबंधी समस्याओं के कारण 2013 में तीसरे संस्करण के बाद इसे फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटा दिया गया था। वहीं लिबर्टी मीडिया के स्वामित्व वाले फार्मूला वन के सूत्रों ने कहा कि भारत में 2027 में रेस संभव नहीं है हालांकि भारत को उभरते बाजार के रूप में देखा जा रहा है ।

कर्नाटक में 20 फुट गहरे कुएं में गिरे हाथी को सुरक्षित बाहर निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में पश्चिमी घाट के संपाजे रेंज में 20 फुट गहरे एक कुएं में गिरे हाथी को सफलतापूर्वक बाहर लिया गया । अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाथी को बचाने के लिए वन अधिकारियों ने कुएं के आसपास खुदाई कर मिट्टी का ढलान बनाया जिससे हाथी कुएं से बाहर निकल सका।

अधिकारियों ने बताया कि यह हाथी रविवार रात बजे कुएं में गिर गया था और सोमवार शाम चार बजे उसे उससे बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि यह घटना तब घटी जब संपाजे घाट क्षेत्र में घूमते हुए आया हाथी दुर्घटनावश कुएं में गिर गया।

अधिकारियों के अनुसार कुएं में हाथी के गिरने की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम हरकत में आई और दो मशीनों की मदद से मिट्टी का ढलान तैयार किया। उन्होंने कहा कि कुएं में करीब 16 घंटे रहने के बाद हाथी सुरक्षित बाहर निकल आया और वन में चला गया।

अधिकारियों ने कहा कि कुएं में गिरने के बावजूद हाथी को कोई चोट नहीं आई और वह स्वस्थ नजर आया।

अमेरिकी नाकेबंदी के जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया के बंदरगाहों को दी धमकी

काहिरा/एपी। अमेरिकी सेना सोमवार को ईरान के सभी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों से पोतों की आवाजाही राकने के मकसद से नाकेबंदी शुरू करने के लिए तैयार दिखी क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर दबाव बढ़ाना चाहते हैं। लेकिन अमेरिका के इस कदम के जवाब में ईरान ने फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के सभी बंदरगाहों को धमकी दी है। इस कदम से तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं और युद्ध के फिर से भड़कने की आशंका है। 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' (आईआरआईबी) के अनुसार, ''फारस की खाड़ी और ओमान सागर में सुरक्षा या तो सभी के लिए होगी या किसी के लिए भी नहीं।'' ईरानी सेना ने कहा, ''इस क्षेत्र का कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा।'' इससे पहले, अमेरिका ने घोषणा की थी कि वह सोमवार को पूर्वी समयानुसार सुबह 10 बजे या ईरान के स्थानीय समयानुसार शाम साढ़े पांच बजे से ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू करेगा।

किसान खाद्य उत्पादक ही नहीं, भविष्य के ऊर्जा आपूर्तिकर्ता भी : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायसेन (मध्य प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि किसानों को खाद्य उत्पादक के तौर पर अपनी पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़कर ऊर्जा, ईंधन और हाइड्रोजन प्रदाता बनना होगा, क्योंकि सरकार गांवों की आय में विविधता लाने और आयात पर देश की निर्भरता कम करना चाहती है।

रायसेन (मध्य प्रदेश) में चार दिन के राष्ट्रीय कृषि उत्सव 'उन्नत कृषि महोत्सव' को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि खेती के बचे हुए हिस्से, बायोमास, एथनॉल, संपिंडित प्राकृतिक गैस और हाइड्रोजन भारत के किसान समुदाय के लिए आय के ऐसे मौके देते हैं जिनका अभी तक इस्तेमाल नहीं हुआ है।

गडकरी ने कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों किसानों से कहा, ''ज्ञान सबसे बड़ी ताकत है, और इस ज्ञान को दौलत में बदलना आज कृषि क्षेत्र की सबसे बड़ी ज़रूरत है।''

मंत्री ने कहा कि कृत्रिम मेधा, उपग्रह-आधारित सूचना प्रणाली, ड्रोन और नैनो यूरिया आधुनिक खेती को नया रूप दे रहे हैं। उन्होंने किसानों से लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने की अपील की।

पानी की बचत के बारे में, कि क्या यह भारत के बारिश पर निर्भर खेती के क्षेत्र के लिए एक ज़रूरी मुद्दा है? गडकरी ने एक आसान तरीका बताया: तेज़ बहने वाले पानी को धीमा करें, धीरे बहने वाले पानी को रोकें और रुके हुए पानी को ज़मीन में रिसने दें। उन्होंने कहा, ''जैसे बैंक में पैसा जमा होता है, वैसे ही पानी को ज़मीन में जमा करना चाहिए।'' गडकरी ने फसल कटाई के बाद मज़बूत बुनियादी ढांचे की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया, और चेतावनी दी कि बिना सही शीत भंडारण, प्रसंस्करण संयंत्र और मूल्य वर्धन सुविधाओं के अधिशेष उत्पादन से खेती की कीमतें कम हो जाएंगी। उन्होंने ग्रामीण आय बढ़ाने के लिए डेयरी, मछली पालन और समुद्री अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता वाले क्षेत्र बताया।

भारत अब दुनिया भर के बड़े खेल आयोजनों में अपनी अलग पहचान बना रहा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पहले सिर्फ क्रिकेट और हॉकी खेलने वाले देश के तौर पहचाना जाने वाला भारत अब दुनिया भर के बड़े खेल आयोजनों में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है। सिंह ने सोमवार को लखनऊ में 'सांसद खेल महाकुंभ-2026' के उद्घाटन अवसर पर कहा, पहले, हमारी पहचान सिर्फ क्रिकेट और हॉकी खेलने वाले देश के तौर पर थी और जब ओलंपिक खेलों की बात आती थी, तो हम अक्सर पदक तालिका में अपना नाम भी दर्ज नहीं करा पाते थे। हालांकि, भारत अब दुनिया भर के बड़े खेल आयोजनों में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है।

> ▪ यह बहुत ज़रूरी है कि समाज में खेलों और एथलीटों के महत्व को सिर्फ समझा ही न जाए, बल्कि उन्हें बेहतर करने का हर मौका भी दिया जाए।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''किसी भी देश या समाज के विकास का पैमाना न केवल उसकी जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर निर्भर करता है बल्कि वैश्विक खेल आयोजनों में उसके खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी निर्भर करता है। यह खेल के क्षेत्र से जीडीपी में होने वाले योगदान पर भी निर्भर करता है। दूसरे शब्दों में, खेल किसी देश की जीडीपी में किस हद तक योगदान देता है, यह (उसके विकास का) एक महत्वपूर्ण पैमाना है।'' सिंह ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा को याद करते हुए कहा, ''मैंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। वहां रहते हुए मैंने देखा कि लोगों का खेलों के प्रति इतना गहरा झुकाव है कि यह उनके जीवन का एक हिस्सा बन गया है। ऐसा नहीं है कि वे केवल क्रिकेट के खेल में ही माहिर हैं बल्कि आपको खेल की हर विधा में कुशल खिलाड़ी मिलेंगे, जबकि उनकी कुल आबादी मुश्किल से तीन करोड़ है, जो लगभग दिल्ली की आबादी के बराबर है।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत में पहले खेलों को कभी भी वह अहमियत नहीं मिली जिसके वे हकदार हैं, इसलिए यह बहुत ज़रूरी है कि समाज में खेलों और एथलीटों के महत्व को सिर्फ समझा ही न जाए, बल्कि उन्हें बेहतर करने का हर मौका भी दिया जाए।

सिंह ने यह भी कहा कि पिछले 10-12 सालों में भारत में खेलों के स्तर और उपलब्धियां देखकर महसूस किया जा सकता है कि पूरे माहौल में बड़ा बदलाव आया है।

रक्षा मंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर खेलों के प्रति उदासीनता बरतने का आरोप लगाते हुए कहा, एक समय था जब हमारे देश में खेलों को लेकर उदासीनता की भावना थी। बहुत कम लोग खेलों को करियर के तौर पर अपनाने के बारे में सोचते भी थे। न तो खेलों की मूलभूत सुविधाओं और न ही एथलीटों की खास जरूरतों पर ठीक से ध्यान दिया जाता था। उनके अनुसार, यहां तक कि जो लोग खेलना चाहते थे उनके लिए भी छोटे शहरों में मौजूद सुविधाओं का स्तर बहुत निम्न था, नतीजतन कई एथलीटों की प्रतिभा इन कर्मियों की वजह से दम तोड़ देती थी।

डीजीएफटी ने खरपतवारनाशक दवा के आयात पर अंकुश लगाया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को कृषि क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले खरपतवारनाशी ग्लूफोसाइनेट और उसके विभिन्न यौगिकों के आयात पर छह महीने के लिए अंकुश लगा दिए। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, यदि आयातित उत्पाद का सीआईएफ (लागत, बीमा एवं ढुलाई) मूल्य और लागू डंपिंग-रोधी शुल्क मिलाकर प्रति किलोग्राम कीमत 1,154 रुपए से कम होता है, तो ऐसे आयात पर रोक लगा दी जाएगी। अधिसूचना के मुताबिक, यह प्रावधान अगले छह महीने तक प्रभावी रहेगा। कृषि गतिविधियों में खरपतवार मारने वाली दवाओं और उनके अलग-अलग रासायनिक रूपों को दूसरे देशों से आयात किया जाता रहा है।

पंजाब विधानसभा ने बेअदबी के खिलाफ कठोर दंड के प्रस्ताव वाला विधेयक आम सहमति से पारित किया

चंडीगढ़/भाषा। गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के किसी भी कृत्य के लिए आजीवन कारावास सहित कठोर दंड के प्रस्ताव वाला एक विधेयक सोमवार को पंजाब विधानसभा में आम राय से पारित हो गया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 में बेअदबी की घटनाओं को रोकने और गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता को बनाए रखने के लिए न्यूनतम 10 वर्ष के कारावास से लेकर आजीवन कारावास तक के कठोर दंड का प्रस्ताव है। इसमें पांच लाख रुपए से 25 लाख रुपए तक के जुर्माने का भी प्रस्ताव है। विधेयक पारित होने के बाद मान ने विधेयक का समर्थन करने के लिए सदन के सदस्यों को धन्यवाद दिया और कहा कि यह विधेयक बेअदबी के कृत्यों के विरुद्ध एक मजबूत निवारक के रूप में कार्य करेगा। मान ने यह भी कहा कि विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने की आवश्यकता नहीं है, इसके लिए केवल राज्यपाल की स्वीकृति आवश्यक है।

जादू-टोने के शक में 28 वर्षीय व्यक्ति की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में जादू-टोने के संदेह में 28 वर्षीय एक व्यक्ति की ईंट-पत्थरों से कुचलकर हत्या कर देने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) श्रीकृष्ण लालचंदानी ने संवाददाताओं को बताया कि राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में 11 अप्रैल को एक खाली मैदान में कृष्ण कुमार अहिरवार उर्फ गोलू (28) का शव मिला था। डीसीपी ने बताया कि शव की पहचान छिपाने के लिए अहिरवार के चेहरे को ईंट-पत्थरों से बुरी तरह कुचल दिया गया था। लालचंदानी ने बताया कि पुलिस को मौके पर की-पैड वाले दो मोबाइल फोन मिले थे जिनमें सिम कार्ड नहीं थे। उन्होंने बताया कि इन उपकरणों के तकनीकी विश्लेषण के बाद मिले सबूतों के आधार पर राज्य के अलग-अलग हिस्सों से तीन मिस्त्रियों-विकास कोसे (28), कृष्णा भिड़े (22) और भूरा उर्फ भूरिया हरवाल (30) को गिरफ्तार किया गया।

महाराष्ट्र सरकार आशा भोसले के प्रस्ताव के अनुरूप संगीत संस्थान का निर्माण करेगी : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार मशहूर गायिका आशा भोसले के प्रस्ताव के अनुरूप एक संगीत संस्थान का निर्माण करेगी। सात दशकों तक अपनी अविस्मरणीय गानों से पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध करने वाली 92 वर्षीय गायिका का रविवार को यहां ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। फडणवीस की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने भी भोसले को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसके तहत मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शोक प्रस्ताव पढ़ा। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और कैबिनेट मंत्री बैठक में उपस्थित थे। फडणवीस के हवाले से जारी बयान में कहा गया है कि भोसले द्वारा परिकल्पित संगीत संस्थान के निर्माण के लिए कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान का प्रस्ताव भोसले ने रखा था और सरकार इसे आगे बढ़ाएगी।

महिला आरक्षण से आधी आबादी को मिलेगा उनका पूरा हक : साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि महिला आरक्षण से आधी आबादी को उनका पूरा अधिकार मिलेगा और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ेगी।

अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में नई दिल्ली के विज्ञान भवन से प्रसारित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन को सुना।

इस अवसर पर साय ने कहा कि यह देश की मातृशक्ति के लिए ऐतिहासिक क्षण है, जो भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी तथा सशक्त बनाने की दिशा में निर्णायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि 'पंचायत से पार्लियामेंट तक' महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का यह प्रयास नए भारत की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करता है। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए कहा कि निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सीधी भागीदारी विकसित भारत की सशक्त नींव है। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर होने वाली चर्चा इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

साय ने कहा, भारत की सांस्कृतिक परंपरा में नारी को सदैव उच्च स्थान दिया गया है। वैदिक काल से लेकर आज तक महिलाओं की भूमिका समाज के निर्माण और विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। हमारी 'डबल इंजन' सरकार की योजनाओं ने इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में और मजबूत किया है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए कई कदम उठाए गए हैं। स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला है और इसका सकारात्मक प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। वहीं 'महतारी वंदन योजना' जैसी पहल महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बना रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संयोग है कि देश में महिला आरक्षण पर चर्चा के साथ ही छत्तीसगढ़ 'महतारी गौरव वर्ष' मना रहा है, जो महिलाओं के सम्मान और उनकी भागीदारी को दर्शाता है।

साय ने प्रदेश की महिलाओं से आह्वान किया कि वे हर मंच पर अपनी आवाज बुलंद करें और इस परिवर्तन में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र और मजबूत होगा तथा समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

देश में 90 दिन के लिए पर्याप्त कोयला भंडार उपलब्धः रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि देश में 90 दिन की जरूरत के लिए पर्याप्त 20 करोड़ टन से अधिक का कोयला भंडार उपलब्ध है।

रेड्डी ने यहां खान मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि देश में लगातार दूसरे वर्ष एक अरब टन कोयला उत्पादन हासिल किया गया है। उन्होंने कहा, ''आज ताप विद्युत संयंत्रों और खदानों के पास 90 दिन के लिए पर्याप्त कोयला उपलब्ध है। पहले हमारे पास केवल 21 से 25 दिन का ही भंडार होता था, लेकिन अब 20 करोड़ टन से अधिक कोयला उपलब्ध है।'' रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य खनिज क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करना और देश को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा, '' मैं केंद्र सरकार की ओर से यह कहना चाहूंगा कि सरकार खनिज क्षेत्र में राजस्व के लिए काम नहीं करती। बल्कि वह खनिज क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाती है।''

भविष्य में शहरी खनन और कोयला गैसीकरण (ठोस कोयले को रासायनिक प्रक्रिया के जरिए गैस में बदलना) में महत्वपूर्ण खनिजों के निष्कर्षण की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए, उन्होंने निजी क्षेत्र से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, राज्य सरकारों और अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शहरी खनन के जरिये देश की जरूरत के 30-40 प्रतिशत महत्वपूर्ण खनिज कबाड़ से निकाले जा सकते हैं। सरकार इस दिशा में एक कार्ययोजना तैयार कर रही है, जिसके तहत हर शहर से कबाड़ एकत्र कर रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर आदि से

मतदान केंद्रों पर बायोमेट्रिक प्रणाली लागू करने की याचिका पर केंद्र, निर्वाचन आयोग को नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान रोकने के लिए निर्वाचन आयोग को उंगली के निशान और आंखों की पुतली के आधार पर पहचान सुनिश्चित करने वाली बायोमेट्रिक प्रणाली लागू करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि याचिका में किए गए अनुरोध पर कुछ राज्यों में जारी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में विचार नहीं किया जा सकता है।

पीठ ने कहा, ''हालांकि, अगले संसदीय चुनाव और/या राज्य विधानसभा चुनावों से पहले इस तरह का उपाय अपनाना उचित है या नहीं, इस पर विचार किए जाने की आवश्यकता है। नोटिस जारी करें।'' उच्चतम न्यायालय ने अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर याचिका पर केंद्र, निर्वाचन आयोग और कई राज्यों से जवाब तलब किया।

वैन की मिक्सर ट्रक से भीषण टक्कर, 3 महिलाओं समेत 11 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार को एक पुल पर एक वैन की 'ट्रांजिट मिक्सर ट्रक' से भीषण टक्कर हो जाने के बाद तीन महिलाओं समेत 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। वैन में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे।

ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर कल्याण-मुरबाद-मालशेज राजमार्ग पर रायते गांव के पास उल्हास नदी पर नवनिर्मित पुल पर हुई। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों को शटल टैक्सी सेवा प्रदान करने वाली वैन कल्याण से मुरबाद जा रही थी, तभी वह विपरीत दिशा से आ रहे 'ट्रांजिट मिक्सर' (सीमेंट मिक्सर मशीन ट्रक) से टकरा गई। मुरबाद के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि चालक समेत वैन में सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में आठ पुरुष और तीन महिलाएं हैं। देशमुख ने कहा, ''टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग दबकर अंदर फंस गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए गोवेली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस ''भयानक दुर्घटना'' को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले पर स्थानीय प्रशासन के संपर्क में है। राज्य परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने इस ओर भी ध्यान दिया कि अधिकृत छह लोगों की क्षमता वाली वैन में 11 यात्री सवार थे।

अशोक खरात के खिलाफ धन शोधन मामले में ईडी की छापेमारी

मुंबई/दिल्ली/भाषा। धन शोधन की जांच के तहत ईडी ने सोमवार को 'स्वयंभू बाबा' अशोक खरात और उससे जुड़े परिसरों पर महाराष्ट्र के कई शहरों में छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खरात के गृह नगर नासिक में स्थित पांच परिसर और पुणे और शिरडी के तीन-तीन परिसर पर छापेमारी की गई है।

खरात, उनके सनदी लेखाकार (सीए) प्रकाश पोफले, खरात के रिश्तेदारों और सहकारी ऋण समितियों की कुछ शाखाओं से जुड़े आवासीय और व्यावसायिक परिसर की जांच की जा रही है। ईडी ने खरात के विरुद्ध नासिक पुलिस की प्राथमिकी के आधार पर छह अप्रैल को उसके खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया था। नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ कई महिला पीड़ितों से जबरन वसूली, धर्म की आड़ में छल-कपट और नशीले पदार्थ देकर हमला (यौन शोषण) के आरोप में मामला दर्ज किया था। संघीय एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि वे विशेष रूप से सबूत जुटाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या खरात और उसके साथियों ने निजी लाभ के लिए अवैध धन का शोधन किया था।

न्यायमूर्ति शर्मा ने लगभग भ्रष्ट घोषित कर दिया था, न्याय नहीं मिलेगाः केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा से सोमवार को कहा कि आबकारी नीति मामले में उनके (न्यायमूर्ति शर्मा) पिछले फैसलों ने उन्हें (केजरीवाल) लगभग दोषी और भ्रष्ट घोषित कर दिया था।

केजरीवाल ने आशंका जताई कि अगर न्यायमूर्ति शर्मा आबकारी नीति मामले में उन्हें (पूर्व मुख्यमंत्री को) आरोपमुक्त किए जाने के फैसले के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई जारी रखती हैं तो उन्हें न्याय नहीं मिलेगा। न्यायमूर्ति शर्मा को सुनवाई से हटाए जाने के अनुरोध वाली अपनी याचिका पर दलीलें पेश करते हुए केजरीवाल ने कहा कि सुनवाई से अलग किए जाने संबंधी कानून के तहत सवाल न्यायाधीश की सत्यनिष्ठा या ईमानदारी का नहीं है, बल्कि वादी के मन में उनके पूर्वाग्रह से ग्रस्त होने की उचित आशंका का है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक ने दावा किया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी से जुड़े एक अन्य मामले को छोड़कर, न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष किसी अन्य मामले की सुनवाई इतनी तेज गति से नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि इन मामलों की सुनवाई में अदालत द्वारा जांच एजेंसियों के तर्कों का समर्थन करने की एक प्रवृत्ति (रुझान) रही है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमानः आईएमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कहा कि इस वर्ष देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितंबर) के दौरान होने वाली मौसमी बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है।

भारत में इस दौरान 80 सेंटीमीटर बारिश होने की संभावना है। देश में मौसमी बारिश का (1971 से 2020 तक) दीर्घकालिक औसत (एलपीए) 87 सेंटीमीटर रहा है। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. एम. महापात्र ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मात्रात्मक रूप से, पूरे देश में मौसमी बारिश एलपीए के 92 प्रतिशत तक होने की संभावना है, जिसमें पांच प्रतिशत की कमी या बढ़ोतरी हो सकती है।'' सामान्य से कम वर्षा का एक कारण अल नीनो की स्थिति का उभरना हो सकता है, जिससे देश में कम बारिश होती है।

आईएमडी के अनुसार, जलवायु मॉडल संकेत देते हैं कि जून के आसपास अल नीनो की स्थिति बनने की संभावना है। वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में कमजोर ला नीना की स्थिति धीरे-धीरे समाप्त होकर सामान्य (तटस्थ) जलवायु स्थिति में बदल रही है। साथ ही, जलवायु मॉडल दर्शाते हैं कि मानसून के दूसरे चरण में 'पॉजिटिव इंडियन ओशन डाइपोल' (पीआईओडी) की स्थिति विकसित हो सकती है। 'पॉजिटिव इंडियन ओशन डाइपोल' का अर्थ है हिंद महासागर के पश्चिमी भाग (अफ्रीकी तट) का सामान्य से अधिक गर्म होना और पूर्वी भाग (इंडोनेशिया) का ठंडा होना। इस स्थिति में हवाएं पूर्व से पश्चिम (बंगाल की खाड़ी से अरब सागर) की ओर चलती हैं। इससे हिंद महासागर में समुद्र के तापमान में ऐसा बदलाव हो सकता है, जिससे मौसम पर असर पड़ेगा और बारिश के तरीके में परिवर्तन आ सकता है।

आनुपातिक परिसीमन से दक्षिणी राज्यों के साथ 'अन्याय' होगा : ए. रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को चेतावनी दी कि आनुपातिक आधार पर परिसीमन से दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय होगा और उन्होंने इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों व अन्य हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श का आह्वान किया।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से परिसीमन के एक 'हाइब्रिड' मॉडल पर विचार करने का आग्रह किया, जिसमें 50 प्रतिशत सीटों में आनुपातिक आधार पर वृद्धि की जाएगी और शेष 50 प्रतिशत सीटें जीएसडीपी के आधार पर निर्धारित की जाएंगी।

उन्होंने इस प्रक्रिया पर आम सहमति बनाने के लिए राजनीतिक दलों, राज्य विधानसभाओं और नागरिक संस्थाओं के साथ परामर्श करने का सुझाव दिया।

रेड्डी ने कहा कि वह तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, पंजाब और छोटे राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ राजनीतिक दलों को भी पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा, ...क्योंकि यह ठोस निर्णय लेने का समय है और हमें इस मुद्दे पर अपनी दृढ़ राय

टीसीएस नासिक में लगे आरोप बेहद पीड़ादायक, जांच के आदेश जारी : चंद्रशेखरन

मुंबई/भाषा। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को समूह की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के नासिक कार्यालय से जुड़े आरोपों को 'बेहद गंभीर एवं पीड़ादायक' बताते हुए कहा कि एक वरिष्ठ अधिकारी की अगुवाई में मामले की जांच की जा रही है।

चंद्रशेखरन ने एक बयान में कहा कि टीसीएस की नासिक शाखा से सामने आए आरोप बेहद चिंताजनक हैं और तथ्यों का पता लगाने एवं घटना के जिम्मेदार लोगों की पहचान के लिए कंपनी की मुख्य परिचालन अधिकारी आरती सुब्रमण्यन के नेतृत्व में विस्तृत जांच कराई जा रही है। मामला टीसीएस नासिक की आठ महिला कर्मचारियों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोपों से जुड़ा हुआ है।

चंद्रशेखरन ने कहा, ''घटना को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है और आरोपी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कंपनी जांच में संबंधित एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है।'' उन्होंने कहा कि समूह किसी भी तरह के उत्पीड़न या दबाव को कतई बर्दाश्त नहीं करता है और जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आवश्यक प्रक्रियागत सुधार और अन्य सुधारात्मक कदम भी तुरंत उठाए जाएंगे।

पिछले सप्ताह पुलिस ने महिला कर्मचारियों की शिकायतों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें कंपनी की एक महिला मानव संसाधन (एचआर) प्रबंधक भी शामिल है।

आशा भोसले की अंतिम यात्रा में हजारों प्रशंसकों की भीड़ उमड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महान गायिका आशा भोसले की अंतिम यात्रा में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पार्थिव शरीर को लोअर परेल से शिवाजी पार्क ले जाए जाने के दौरान लोग अपने घरों की छतों और खिड़कियों से 'आशा ताई' को नम आंखों से विदाई दे रहे थे, और सैकड़ों लोग उस वाहन के साथ चल रहे थे जिसमें महान गायिका की 'निष्प्राण देह' रखी थी।

पार्थिव शरीर को ले जा रहे वाहन को आशा के पसंदीदा सफेद और पीले फूलों से सजाया गया था, जिस पर लाल साड़ी पहने, बिंदी लगाए और महाराष्ट्र की पारंपरिक नथ पहने महान गायिका की एक बड़ी तस्वीर लगी हुई थी।

भारत के सबसे प्रसिद्ध पार्श्व गायकों में से एक, भोसले का रविवार सुबह ब्रीच कैंडी अस्पताल में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

उनकी अंतिम यात्रा लोअर परेल स्थित उनके आवास से पांच किलोमीटर दूर दादर स्थित शिवाजी पार्क के लिए शुरू हुई।

शिवाजी पार्क वही स्थान है जहां आशा भोसले की बड़ी बहन एवं सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का फरवरी 2022 में अंतिम संस्कार किया गया था। उनका निधन भी रविवार के दिन 92 साल की उम्र में ही हुआ था।

इससे पहले, भोसले के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए कांच के ताबूत में उनके आवास पर रखा गया था, जो तिरंगे में लिपटा हुआ था। इस दौरान पृष्ठभूमि में धीमी आवाज में उनके सदाबहार गीत – 'आओ हुज़ूर तुमको', 'आइए मेहरबान', 'झुमका गिरा रे', 'दिल चीज़ क्या है', 'ओ साथी रे' और 'याई रे याई रे' बज रहे थे।

यह एक तरह से इस बात की याद दिलाता है कि गायिका भले ही हमारे बीच न हों, लेकिन उनके गीत हमेशा अमर रहेंगे।

इस दौरान भोसले के बेटे आनंद और पोती ज़नाई और परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। उनकी गायिका बहन उषा मंगेशकर और भाई हृदयनाथ मंगेशकर भी मौजूद थे।

सैकड़ों लोग जहां उनके घर के बाहर एकत्र थे, वहीं राजनीतिक नेताओं, फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों, खेल जगत की हस्तियों तथा अन्य ने महान गायिका को श्रद्धांजलि अर्पित की।

फिल्म जगत से जुड़ी हस्तियों आशा पारेख और हेलेन, रणवीर सिंह, तब्बू, संगीतकार एआर रहमान, क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और राजनीतिक नेता उद्धव ठाकरे, प्रफुल्ल पटेल तथा सुप्रिया सुले सहित कई लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

बारह हजार से अधिक गीत गाने वाली भोसले पद्म विभूषण, दादा साहब फाल्के पुरस्कार और महाराष्ट्र भूषण से सम्मानित थीं।

केंद्र ने तमिलनाडु सरकार को धान पर बोनस बंद करने के लिए विचार करने को कहा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को दावा किया कि केंद्र सरकार ने राज्य से धान पर मौजूदा बोनस नीति की समीक्षा करने और उसे बंद करने पर विचार करने के लिए कहा था। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सवाल किया कि क्या वह इस सिलसिले में लिखे गए पत्र को सार्वजनिक करेंगी।

हालांकि, सीतारमण ने कहा कि स्टालिन का यह आरोप कि केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को धान की खेती के लिए प्रोत्साहन राशि न देने का निर्देश दिया है तथ्यात्मक रूप से बेबुनियाद, राजनीति से प्रेरित और राज्य के किसानों को गुमराह करने के लिए जानबूझकर किया गया झूठा दावा है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, नौ जनवरी 2026 के एक पत्र का हवाला देते हुए कहा कि न केवल तमिलनाडु, बल्कि सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को सुझाव दिया गया था कि (फसल पर) राज्य की बोनस नीतियों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाया जाए। पत्र में राज्यों से दलहन, तिलहन और बाजरा की खेती को बढ़ावा देने के लिए अपनी बोनस नीति को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप करने आग्रह किया गया था, जो पोषण सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और टिकाऊ कृषि के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से मेल खाए। सीतारमण ने कहा, यह पत्र राज्यों के लिए एक सलाह थी, निर्देश नहीं। उन्होंने स्टालिन के हालिया भाषण पर भी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने राज्य सरकारों की ओर से दिए जाने वाले बोनस के सिलसिले में वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा जारी एक पत्र का जिक्र किया था। सीतारमण ने कहा कि वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के केंद्रीय सचिव की ओर से सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखा गया उक्त पत्र पोषण सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और टिकाऊ कृषि के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप दलहन, तिलहन और बाजरा की खेती को बढ़ावा देने के वास्ते अपनी-अपनी बोनस नीति तैयार करने से संबंधित था। स्टालिन ने पोस्ट में सीतारमण को टैग करते हुए कहा, आपके मंत्रालय की ओर से तमिलनाडु के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि चूंकि, धान पर दिए जाने वाले अतिरिक्त बोनस के कारण राज्य में बंपर पैदावार हुई है, इसलिए राज्य सरकार को बोनस बंद करने पर विचार करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मुख्य सचिव ने उक्त पत्र में लिखी बातों के अलावा कुछ भी नहीं कहा। उन्होंने कहा, मुझे भी ऐसा कुछ कहने की कोई जरूरत नहीं है। स्टालिन ने कहा, आपने अपने पोस्ट में दावा किया है कि धान की खेती करने वाले किसानों को एमएसपी से अधिक बोनस देने का अधिकार राज्य सरकारों के पास है और किसी ने भी उनका यह अधिकार नहीं छीना है, लेकिन हमें भेजे गए पत्र में स्पष्ट रूप से राज्य सरकार की मौजूदा बोनस नीति की समीक्षा करने और धान पर बोनस बंद करने पर विचार करने के लिए कहा गया है।

मोदी की विकास सुनामी से घबराए स्टालिन: बीजेपी प्रवक्ता प्रसाद का द्रमुक पर तीखा हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी तमिलनाडु दौरे से पहले राज्य में सियासी पारा गरमा गया है। भाजपा प्रवक्ता ए.एन.एस. प्रसाद ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और सत्तारूढ़ द्रमुक पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार के ठोस विकास कार्यों ने स्टालिन के झूठ और धोखे की राजनीति को बेनकाब कर दिया है। प्रवक्ता ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री का दौरा तमिलनाडु में असली प्रगति की गूंज है, जिससे मुख्यमंत्री स्टालिन और द्रमुक नेतृत्व स्पष्ट रूप से बेचैन है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहाँ एक ओर केंद्र सरकार तमिलनाडु की जनता के लिए दूरदर्शी सुधार लागू कर रही है, वहीं उन्नयघ अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए फूट डालो और राज करो की राजनीति और उत्तर-दक्षिण का जहर फैलाने का काम कर रही है। प्रसाद ने मोदी सरकार की दो प्रमुख उपलब्धियों को द्रमुक के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बनाया। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2026 में कैबिनेट संशोधनों के बाद, अब 2029 से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलना तय है। इससे तमिलनाडु की लाखों बेटियां सशक्त नेतृत्व के रूप में उभरेंगी।

वर्ष 2024-25 में एमएसपी पर □3.4% लाख करोड़ की रिकॉर्ड खरीद हुई, जिससे 19.6 मिलियन किसानों को सीधा लाभ हुआ। साथ ही, पीएम-किसान की □6,000 की वार्षिक मदद ने किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। भाजपा प्रवक्ता ने चेन्नई और तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे में हो रहे बदलावों का विवरण दिया। चेन्नई मेट्रो (फेज2) के लिए केंद्र सरकार द्वारा □10,354 करोड़ से अधिक की राशि जारी करने के बाद मेट्रो का काम 50 प्रतिात पूरा हो चुका है। राष्ट्रीय शहरी मिशनों के तहत हाईवे और बंदरगाहों का जाल तमिलनाडु को लॉजिस्टिक्स का बड़ा केंद्र बना रहा है। एफसीआरए सुधारों के तहत 20,000 से अधिक संदिग्ध छन्नजी का पंजीकरण रद्द कर भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई गई है। एनईपी 2020 की 'त्रि-भाषा नीति' का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि मातृभाषा और अंग्रेजी के साथ एक और भारतीय भाषा सीखने का अवसर तमिलनाडु के युवाओं को वैश्विक बढ़त दिलाएगा।

तमिलनाडु को 'पीछे की ओर ले जाएंगी' अन्नाद्रमुक और भाजपा : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विल्लुपुरम। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को कहा कि ''यदि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य की सत्ता में आता है तो वह राज्य को पीछे की ओर ले जाएगा।''

उदयनिधि स्टालिन ने लोगों से अपील की कि वे विकास की गति को बनाए रखने के लिए द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) गठबंधन का चयन करते समय समझदारी बरतें। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता को अन्नाद्रमुक को नकार देना चाहिए क्योंकि उसने परिवारों की महिला मुखियाओं के लिए मासिक भत्ता योजना को रोकने की साजिश रची थी। द्रमुक युवा इकाई के सचिव ने पार्टी उम्मीदवारों - विल्लुपुरम से लक्ष्मणन और वनूर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे गौतम द्रविड़मणि - के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''इस चुनाव में साबित करें कि अन्नाद्रमुक और उसकी सहयोगी भाजपा के लिए तमिलनाडु में कोई जगह नहीं है। उन्हें चुनाव में पूरी तरह हरायें और राज्य में विकास की गति को बनाए रखने के लिए समझदारी से द्रमुक को चुनें।'' उन्होंने कहा कि सरकार बनने के तुरंत बाद द्रमुक गृहिणियों के लिए 8,000 रुपये की कूपन योजना शुरू करेगी।

उन्होंने कहा कि उस पैसे का इस्तेमाल वे अपनी पसंद का घरेलू उपकरण खरीदने के लिए कर सकती हैं। उदयनिधि ने आग्रह किया, ''पिछले चुनाव में हमने इस जिले की सात में से चार सीट जीती थीं। इस बार हमें सभी सात विधानसभा सीट पर जीत दिलाएं।''

तिरुक्कोइलुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे पार्टी उम्मीदवार गौतम सिगमणि के लिए प्रचार करते हुए उदयनिधि ने कहा कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने तमिलनाडु को देश का नंबर एक राज्य बनाया है और कई जनहितकारी पहल भी शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि स्टालिन ने महिला मुखियाओं को वर्तमान में दी जा रही 1,000 रुपये की मासिक सहायता राशि को दोगुना करने की घोषणा की है। द्रमुक नेता ने आग्रह किया, आइए तमिलनाडु में फासीवादी भाजपा और उनके मुखौटे (अन्नाद्रमुक) को हराएं। सुनिश्चित करें कि द्रमुक गठबंधन के उम्मीदवार इस चुनाव में भारी बहुमत से जीतें। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 23 अप्रैल को होंगे।

श्रद्धालु ने टीटीडी के श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये से अधिक का दान दिया

तिरुपति। हैदराबाद के एक श्रद्धालु ने सोमवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये से अधिक का दान दिया। दान का 'डिमांड ड्राफ्ट' श्रीवारी मंदिर के रंगनायकुला मंडपम में टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सी. वेंकैया चौधरी को सौंपा गया।

मंदिर निकाय द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, 'अल्लूरी वर्मा ने टीटीडी श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये से अधिक का दान दिया है।' विज्ञप्ति में यह भी बताया गया है कि वह हैदराबाद स्थित एक इस्पात निर्माण कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं।

श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट की स्थापना नवंबर 2001 में हुई और इसका उद्देश्य हृदय, गुर्दे, मस्तिष्क, कैंसर तथा अन्य जानलेवा बीमारियों से पीड़ित गरीब मरीजों को मुफ्त चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। टीटीडी यहां तिरुपति स्थित विश्व के सबसे धनवान हिंदू मंदिर श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है।

सीतारमण का स्टालिन पर पलटवार, 'झूठा विमर्श' गढ़ने का लगाया आरोप

नई दिल्ली/चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर गेहूं और धान किसानों को दिए जाने वाले बोनस संबंधी केंद्र सरकार के परामर्श पर 'झूठा विमर्श' गढ़ने का आरोप लगाते हुए पलटवार किया। उन्होंने कहा कि द्रमुक पार्टी इसके जरिये खुद को किसानों और तमिलनाडु के लोगों के रक्षक के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सीतारमण ने स्टालिन पर व्यय सचिव वी. वुअलनाम के नौ जनवरी को सभी राज्य सरकारों को लिखे गए पत्र की गलत व्याख्या करने का आरोप लगाया और कहा कि जहां अधिकांश राज्य सरकारों ने, चाहे वे किसी भी दल की हों, पत्र के उद्देश्य को समझा और सहकारी संघवाद की भावना से प्रतिक्रिया दी, वहीं केवल मुख्यमंत्री स्टालिन ने इसे सनसनीखेज' बनाने का विकल्प चुना।

वित्त मंत्रालय के पत्र में गेहूं और धान के भारी अधिशेष भंडार को देखते हुए, राज्य सरकारों को मौजूदा बोनस नीति की समीक्षा करने और इन दोनों पर बोनस बंद करने पर विचार करने की सलाह दी गई थी। साथ ही, पोषण सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप दाल, तिलहन और श्री अन्न (ज्वार, बाजारा जैसे मोटे अनाज) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन पर ध्यान देने की बात कही गई थी। हालांकि, यह पत्र राज्यों के लिए एक परामर्श मात्र था, स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर आरोप लगाया कि केंद्र ने 'स्पष्ट रूप से' राज्य सरकारों की मौजूदा बोनस नीति की समीक्षा करने और धान पर बोनस बंद करने पर विचार करने के लिए कहा है। उन्होंने सीतारमण को नौ जनवरी के पत्र को सार्वजनिक करने की चुनौती दी। सीतारमण ने कहा कि यह पत्र राज्यों को अपनी कृषि नीतियों को व्यापक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप करने के उद्देश्य से लिखा गया था।

सेलम में शक्ति प्रदर्शन से पहले राहुल गांधी की चुप्पी से बढ़ी द्रमुक की चिंता, तालमेल पर उठे सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को होने वाले हैं, जिसके लिए अब सिर्फ नौ दिन बचे हैं। पूरे राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भागीदारी को लेकर बनी अनिश्चितता डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए लगातार परेशानी का सबब बनी हुई है।

सत्ताधारी द्रमुक 'सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस' के बैनर तले 15 अप्रैल को सेलम में एक बड़ी जनसभा की तैयारी कर रही है। पार्टी के नेता चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में अपनी एकता और ताकत का प्रदर्शन करने के लिए काफी उत्सुक हैं, हालांकि इस रैली में आमंत्रित किए गए राहुल गांधी की तरफ से अभी तक कोई पुष्टि न मिलने के कारण द्रमुक नेतृत्व के भीतर बेचैनी बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी के चुनावी कार्यक्रम को लेकर स्पष्टता की कमी ने द्रमुक और उसके प्रमुख सहयोगी दल, कांग्रेस के बीच तालमेल को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह मुद्दा गठबंधन को लेकर हुई बातचीत के दौरान सामने आए उन शुरुआती मतभेदों की पृष्ठभूमि में आया है, जिन्होंने दोनों दलों के बीच चुनावी साझेदारी को अंतिम रूप दिए जाने से पहले कुछ समय के लिए उनके संबंधों में तनाव पैदा कर दिया था। हाल के हफ्तों में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ राहुल गांधी की सीमित संयुक्त उपस्थिति ने इस स्थिति को और भी अधिक जटिल बना दिया है।

तांबरम और संतरागाछी के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के अनुसार ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन नंबर 06075/06076 तांबरम-संतरागाछी-तांबरम एक्स. स्पेशल का संचालन करने जा रही है।ट्रेन संख्या 06075 तांबरम-संतरागाछी एक्सप्रेस स्पेशल की तीन सेवाएं 14, 21 और 28 अप्रैल मंगलवार को तांबरम से 10.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.30 बजे संतरागाछी पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 06076 संतरागाछी - तांबरम एक्सप्रेस स्पेशल 15, 22 और 29 अप्रैल, बुधवार को संतरागाछी से रात 9:30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 10:30 बजे तांबरम पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 16 - स्लीपर क्लास कोच और 2 - सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

भाजपा का आज जारी होगा चुनावी घोषणापत्र

तमिलिसाई ने मुख्यमंत्री पर साधा तीखा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नईय तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट के बीच राज्य का राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। मायलापुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार और वरिष्ठ नेता तमिलिसाई साउंडराराजन ने सोमवार को 'कमलालयम' (भाजपा प्रदेश मुख्यालय) में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

तमिलिसाई ने बताया कि भाजपा मंगलवार को अपना चुनावी घोषणापत्र जारी करने जा रही है। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए बेहद अनुकूल है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तमिलिसाई ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वे चुनावी मैदान का इस्तेमाल केवल अपनी झूठी प्रशंसा के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिसीमन मुद्दे पर स्टालिन झूठ बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह द्वारा स्थिति स्पष्ट किए जाने के बावजूद, मुख्यमंत्री जनता को गुमराह कर रहे हैं कि तमिलनाडु को धोखा दिया जा रहा है। तमिलिसाई ने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा कि 78 वर्षों के इंतजार के बाद लाए जा रहे महिला आरक्षण विधेयक पर सवाल उठाना निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री किसानों के कल्याण की केवल बातें करते हैं, लेकिन न तो पर्याप्त गोदाम बनाए गए और न ही सही एमएसपी सुनिश्चित की गई। उन्होंने 'प्रति बंडल 40 रुपये कमीशन' वसूलने का भी आरोप लगाया। तमिलिसाई के अनुसार, विश्वकर्मा नीति और त्रिभाषी नीति जैसी जनहितैषी योजनाओं को राज्य में लागू होने से रोका जा रहा है। तमिलिसाई साउंडराराजन ने चुनाव में अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा वोट के बदले नमूना टोकन बांटना लोकतंत्र का अपमान है और भाजपा ने इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

'जन नायकन' फिल्म लीक मामले में छह लोग गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने अभिनेता विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन' के रिलीज से पहले उसके ऑनलाइन लीक होने के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, फिल्म के विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लीक होने की शिकायत मिलने के बाद राज्य पुलिस के साइबर अपराध जांच केंद्र ने मामला दर्ज किया और 12 अप्रैल को आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक फिल्म 10 अप्रैल को ऑनलाइन लीक हो गई थी, जिससे फिल्म उद्योग जगत ने नाराजगी व्यक्त की है। एच विनोद द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित इस फिल्म को विजय के राजनीति में पूर्णकालिक प्रवेश से पहले उनकी अंतिम फिल्म के रूप में देखा जा रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, कॉपीराइट अधिनियम और सिनेमैटोग्राफ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मामले की जांच चल रही है और इस स्तर पर गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम उजागर करना संभव नहीं है।

कन्नूर में दंत चिकित्सा छात्र की मौत : परिजन ने लगाया हत्या का आरोप, संस्थान में किया प्रदर्शन

तिरुवनंतपुरम। कन्नूर दंत चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र नितिन राज आर. एल. के माता-पिता ने सोमवार को दावा किया कि उनके बेटे को लगातार भावनात्मक यातना'' दी जा रही थी और यह हत्या का मामला है। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा कथित तौर पर उत्पीड़न किए जाने के बाद राज (22) मृत पाया गया था। तिरुवनंतपुरम जिले के पुथुकुलांगरा के उझलक्कल निवासी राज 10 अप्रैल दोपहर एक इमारत से गिरने के बाद अंजराकांडी स्थित कन्नूर दंत चिकित्सा महाविद्यालय में मेडिकल कॉलेज ब्लॉक के पास गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बाद में उसने दम तोड़ दिया।

परिजन ने आरोप लगाया कि संकाय के दो सदस्यों द्वारा राज का भावनात्मक रूप से उत्पीड़न किया गया था, जिसके बाद डेंटल एनाटॉमी' विभाग के प्रमुख एम. के. राम और एसोसिएट प्रोफेसर के.

टी. संगीता नाम्बियार के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। राज के पिता वाई.एल. राजन ने कहा कि उन्हें न्याय मिलने की बहुत कम उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''उन्होंने मेरे बेटे को मार डाला। मैं किस तरह के न्याय की अपेक्षा करूं? मैंने उसकी शिक्षा के लिए बहुत मेहनत की थी। हमने सब कुछ खो दिया।'' राजन ने आरोप लगाया कि राज की मौत के तीन दिन बाद भी महाविद्यालय के प्राधिकारियों की ओर से कोई संपर्क नहीं किया गया। उन्होंने कहा, ''वह उस महाविद्यालय का छात्र था। प्राधिकारियों की ओर से एक शब्द भी नहीं कहा गया है। वहां के छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और कुछ बोल नहीं रहे हैं। कम से कम एक छात्र को तो हमारे लिए आवाज उठानी चाहिए।'' उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे को शिक्षकों द्वारा अक्सर कहा जाता था कि वह परीक्षा में असफल हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''लेकिन उसे पूरा भरोसा था कि वह परीक्षा पास कर लेगा और पांच साल में कोर्स पूरा कर लेगा। इन सब बातों ने उसे भावनात्मक रूप से तोड़ दिया और उसकी जान ले ली।''

भारत सरकार
कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंज़िल,
प्लाट झ-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुड़गाँव, हरियाणा - 122050.
ईमेल: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated
Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना

कंपनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कंपनी (कंपनी रजिस्टर से कंपनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2026-27/50 दिनांक : 02/04/2026

संदर्भ:

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (44) कंपनियों के नाम तमिलनाडु (आरओसी-चेन्नई) राज्य से हटाने के मामले में:

S.No.	Work Item	CIN	Hindi Name
1	AC2650792	U74999TN2022PTC151050	ट्रेसलक्यूब टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
2	AC2644658	U72200TN2022PTC150631	स्ट्राइडस्काई प्राइवेट लिमिटेड
3	AC2740935	U74999TN2017PTC119933	एक्सपोडियन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
4	AC2575132	U45200TN2017PTC117032	रैड्स इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड
5	AC2508684	U69201TN2023PTC164499	डीएसके कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड
6	AC2510813	U74999TN2017PTC116396	एपीवी रिटेल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
7	AC2386800	U72900TN2012PTC088309	इंडिक्सशॉप इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड
8	AC2576386	U29200TN2010PTC074264	रणिपेट प्रेशर वेसल्स प्राइवेट लिमिटेड
9	AC2581946	U74999TN2020PTC134173	ऑरेंज मोज़ो प्राइवेट लिमिटेड
10	AC2660271	U72200TN2022FTC154235	ज़ीआई टेक्नोलॉजी इंडिया जीटीएम प्राइवेट लिमिटेड
11	AC2632600	U24230TN2022PTC150868	कुलली केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
12	AC2307377	U52609TN2019PTC132803	श्रीश एक्सिम ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड
13	AC2541434	U74999TN2022PTC157717	न्यूरो डिजिटल एक्सपोर्ट्स एंड इम्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
14	AC2533549	U63011TN1995PTC030628	डायनामिक फ्रेट फॉरवर्डर्स प्राइवेट लिमिटेड
15	AC2526210	U72900TN2019PTC129086	वीज्लेंस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
16	AC2533183	U45200TN2008PTC067586	साक्षा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
17	AC2532393	U24233TN2008PTC068034	हीमक्योर फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
18	AC2535906	U01100TN2022PTC157002	जी.सी.आर. एग्री प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
19	AC2545310	U63000TN2013PTC091131	एमराल्ड रीलोकेशन सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड
20	AC2445320	U46909TN2023PTC162371	प्रिसाइज ग्लोबल ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड
21	AC2569698	U17299TN2013PTC089890	समेधा इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड
22	AC2575146	U65990TN2021PTC142514	विद्या हरी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
23	AC2482667	U32309TN2021FTC141209	झेन डिंग टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
24	AC2595441	U77300TN2025PTC182302	ज़ेनॉक्स इक्विपमेंट लीज़िंग प्राइवेट लिमिटेड
25	AC2595338	U74990TN2010PTC075932	ट्रिवे ग्लोबल फ़ॉरवर्डिंग प्राइवेट लिमिटेड
26	AC2595636	U65990TN2020PLN136963	आर. लक्ष्मी नारायण निधि लिमिटेड
27	AC2587504	U46301TN2023PTC163542	मिफ़राह एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
28	AC2615917	U43213TN2025PTC177043	अन्नाई डिजिटल साइनज प्राइवेट लिमिटेड
29	AC2618271	U72200TN2000PTC044292	टीएक्सएन सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड
30	AC2639575	U85190TN2022PTC152905	मिशन सोलसर्च प्राइवेट लिमिटेड
31	AC2632848	U96091TN2022PTC155753	नीओजेन पार्टनर सर्च प्राइवेट लिमिटेड
32	AC2620912	U74999TN2017PTC114277	जॉआओ इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
33	AC2673202	U74999TN2017PTC115754	अलागु डेटाटेक प्राइवेट लिमिटेड
34	AC2615347	U34100TN2013PLC091299	सास एक्ट्यूएटर्स लिमिटेड
35	AC2650968	U45402TN2022PTC154700	वर्ल्डवाइड बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड
36	AC2713673	U72200TN2009PTC073204	सेर्प सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
37	AC2675974	U02429TN1996PTC134259	डार्लिंग प्रॉपर्टीज़ प्राइवेट लिमिटेड
38	AC2698981	U74140TN1994PTC026728	एस.आई.बी.ए. कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
39	AC2713211	U92100TN2010PTC077722	न्यू ग्रैंड मीडिया प्राइवेट लिमिटेड
40	AC2714994	U72900TN2021PTC142261	नुंगु टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
41	AC2716594	U74999TN2021PTC142229	रक्षा-लक्ष्य अर्थ प्राइवेट लिमिटेड
42	AC2580556	U62013TN2023OPC163437	बिटनोवा टेक्नोलॉजीज (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
43	AC2734206	U29309TN2020PTC135374	एच.पी. ऑटो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
44	AC2760126	U96091TN2024PTC168378	निओजेन मैट्रिमोनियल्स प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कंपनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कंपनियों के नाम कंपनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कंपनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कंपनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कंपनी ने निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कंपनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कंपनी रजिस्ट्रार से अपना / अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।

3. तदनुसार, कंपनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कंपनियों के नामों को कंपनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कंपनी को कंपनी रजिस्ट्रार से कंपनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

इरकन तिर्की
उप-पंजीयक
प्रसंस्करण त्वरित कॉर्पोरेट निकास केंद्र

CBC 07123/11/0022/2627

डॉ. कैलाश मण्डेला को मिलेगा राष्ट्रीय स्तर का 'गीत रत्न' सम्मान

17 को पुष्कर में होगा भव्य सम्मान समारोह एवं आध्यात्मिक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केकड़ी(राजस्थान)।विश्वविख्यात हास्य कवि एवं संवेदनशील गीतकार स्व. सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में प्रतिवर्ष दिया जाने वाला 'श्री सुरेन्द्र दुबे स्मृति गीत रत्न सम्मान' हिन्दी एवं राजस्थानी भाषा के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि, केन्द्रीय साहित्य अकादमी से पुरस्कृत साहित्यकार एवं लोकप्रिय गीतकार, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी शाहपुरा-राजस्थान के डॉ. कैलाश मण्डेला को प्रदान किया जाएगा। कर्नाटक और तमिलनाडु के लोकप्रिय हिंदी दैनिक दक्षिण भारत राष्ट्रमत के पाठकों के लिए यह विशेष प्रसन्नता का विषय है क्योंकि डा. कैलाश मंडेला का गत आठ वर्षों से, अबाध रूप से मुखपृष्ठ पर मिशन मंडेला नामक स्तंभ प्रकाशित हो रहा है जिसमें मात्र 8 पंक्तियों में डा. मंडेला देश-विदेश के बिल्कुल ज्वलंत विषय पर अपनी काव्यात्मक व्यंग्य टिप्पणी करते हैं। यह स्तंभ पाठकों के बीच ख़ासा लोकप्रिय है।

सुरेन्द्र दुबे स्मृति संस्थान के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष का भव्य सम्मान समारोह एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन 17 अप्रैल को पुष्कर स्थित गायत्री मणिवेदिक शक्तिपीठ पर स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में हो रहे 43 दिवसीय गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ के अंतर्गत रात्रि 8 बजे से किया जाएगा। इस ऐतिहासिक महायज्ञ के अवसर पर इस आयोजन से इसकी गरिमा और महत्ता और अधिक बढ़ेगी। ज्ञातव्य है कि इस पुरस्कार के निमित्त एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए नगद एवं प्रतीक चिन्ह आदि दिए जाते हैं। देश भर

में किसी कवि की स्मृति में व्यक्तिगत संस्थान द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कारों में यह प्रतिष्ठित सम्मान है।

कैलाश मण्डेला विगत 40 वर्षों से काव्य मंचों पर हिंदी व राजस्थानी भाषा के अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि होने के साथ ही सुप्रसिद्ध गीतकार एवं लेखक भी हैं। अब तक इनकी आठ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और केंद्रीय साहित्य अकादमी नई दिल्ली सहित देश की अनेक प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्थाओं से सम्मान, पुरस्कार एवं मानद उपाधियों से विभूषित हो चुके हैं। एक हजार से भी अधिक कवि सम्मेलनों एवं टीवी शो आदि में अपनी प्रस्तुतियां दे चुके कवि मण्डेला काव्य मंचों के ऐसे चुनिंदा बहुआयामी विलक्षण कवियों में से एक हैं जो सभी रसों में अपनी प्रस्तुतियों और लेखन से एक जीवंत कवि के रूप में पहचाने जाते हैं। तीन हजार से भी अधिक दोहों तथा काव्य की विविध विधाओं में सृजित उनका सृजन शोध का विषय है।

राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मान से सम्मानित होने वाले कवियों में डॉ. मण्डेला राजस्थान के पहले कवि होंगे। अप्रतिम हास्य कवि, गीतकार एवं साहित्यकार स्व. सुरेन्द्र दुबे की स्मृति के इस सम्मान से अब तक देश के लब्ध प्रतिष्ठित कवि पद्मश्री श्री सुरेन्द्र शर्मा-नई दिल्ली, प्रतिष्ठित फिल्मी गीतकार संतोष आनंद-नई दिल्ली, पद्मश्री अशोक चक्रधर-नई दिल्ली, डॉ. कीर्ति काले- नई दिल्ली, सत्यनारायण सत्तन- इंदौर, हरिओम पंवार- मेरठ, डॉ. विष्णु सक्सेना- अलीगढ़ को सम्मानित किया जा चुका है। संस्थान के सचिव डॉ. अविनाश दुबे ने बताया कि पुष्कर में गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ के अवसर पर इस आयोजन को करने से विद्वान और गुणी श्रोताओं की उपस्थिति एवं संबलन से कविता की मंच पर पुनर्स्थापना को नई दिशा मिलेगी। पुरस्कार चयन समिति की मानद सदस्य सुप्रसिद्ध कवयित्री डॉ.कीर्ति काले ने सम्मान के चयन को गरिमामय बताते हुए कहा कि श्री मण्डेला एक सम्पूर्ण कवि हैं जो मंच और लेखन के शाश्वत मूल्यों को जीते हैं।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से सोमवार को लोकभवन पहुंचकर प्रदेश के नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मुलाकात की। राज्यपाल बागड़े से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

नहीं कराने थे चुनाव तो तैयारी के नाम पर करोड़ों क्यों खर्च ? : डोटासरा

जयपुर। प्रदेश में निकाय और पंचायत चुनाव में देरी और तैयारियों के नाम पर करोड़ों खर्च मामले में पीसीसी चीफ गोविन्द डोटासरा ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। डोटासरा ने कहा है कि जब पंचायत और निकाय चुनाव 15 अप्रैल को नहीं कराने थे, तो भाजपा सरकार ने तैयारी के नाम पर जनता के करोड़ों रुपए खर्च क्यों किए और क्यों लोगों को गुमराह किया।

ये खर्च फिर दोबारा होगा, क्या ये जनता के पैसे की खुली लूट नहीं है? आखिर किसको फायदा पहुंचाने के लिए ये खेल खेला गया?

राजस्थान विधानसभा, उच्च न्यायालय और सत्र अदालत को बम से उड़ाने की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा, उच्च न्यायालय और सत्र अदालत भवनों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और गहन तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि धमकी मिलने के बाद तुरंत परिसरों को खाली कराया गया और पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस ने बताया कि राजस्थान विधानसभा कार्यालय में एक ईमेल आया, जिसमें अगले तीन घंटे में विधानसभा भवन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद कर्मचारियों को बाहर निकाल तलाशी अभियान शुरू किया गया।

पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ता टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, परिसर को तुरंत खाली कराकर पूरी तरह से तलाशी ली गई। अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। अधिकारी ने बताया कि उसके आधिकारिक आईडी पर सत्र अदालत को बम से उड़ाने की धमकी का ईमेल आया था। इसके बाद अदालत प्रशासन ने पुलिस कंट्रोल रूम और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी।

तलाशी अभियान के दौरान सत्र अदालत परिसर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया।

अधिकारी ने कहा, बम निरोधक दस्तों और श्वान दस्ता द्वारा विस्तृत तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। उच्च न्यायालय को भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद परिसर को खाली करवाकर तलाशी अभियान शुरू किया गया, लेकिन वहां भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इससे पहले भी उच्च न्यायालय को 6, 17, 19, 20 फरवरी और 17 मार्च को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। अब तक इन धमकियों के संबंध में किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

देश के पहले इंटीग्रेटेड रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स का शुभारंभ करेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालोतरा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को बालोतरा के पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बालोतरा में प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री 21 अप्रेल को देश के पहले एचपीसीएल इंटीग्रेटेड रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स का शुभारंभ बालोतरा में करेंगे। इस रिफाइनरी के माध्यम से देश-प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। साथ ही, यह रिफाइनरी राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी।

इस दौरान शर्मा ने रिफाइनरी की क्रूड डिजिटेशन यूनिट, रिफाइनरी मेन कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने रिफाइनरी प्रतिनिधियों से संवाद कर उनका अनुभव भी जाना। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिफाइनरी से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस मौके पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री ने जनसभा स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन स्थल के ले आउट का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी का निरीक्षण कर आयोजन स्थल पर प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक भी ली। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन के सफल क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए जनसभा में आमजन के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए, साथ ही यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग आपस में समन्वय कर पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर सजावट में राजस्थान की कला संस्कृति का प्रदर्शन होना चाहिए, जिससे आगन्तुक प्रदेश की ऐतिहासिक गौरवशाली परम्परा से रूबरू हो सकें। इस दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रस्तुतीकरण भी दिया। इससे पहले हैलिपेड पर मुख्यमंत्री का स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अगवानी की। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. बिश्नोई, सांसद मदन राठौड़, लुंबाराम चौधरी, जीव जंतु कल्याण बोर्ड अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, विधायक अरुण चौधरी, हम्मीर सिंह भायल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बार-बार धमकियों के बाद भी कार्रवाई नहीं, यह बहुत गंभीर है : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सोमवार को राजस्थान विधानसभा परिसर पहुंचे, लेकिन सुरक्षा जांच के चलते अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। विधानसभा भवन को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद वहां सुरक्षा जांच चल रही थी। गहलोत और जूली विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मिलने गए थे, लेकिन वह उस समय मौजूद नहीं थे। विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बातचीत में दोनों नेताओं ने राज्य में बार-बार मिल रही बम धमकियों और दोषियों की गिरफ्तारी न होने पर भाजपा सरकार की आलोचना की।

गहलोत ने कहा, यह बहुत गंभीर है कि बार-बार धमकियों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उच्च न्यायालय और अन्य अदालतों व भवनों को कई बार धमकियां दी गई हैं, लेकिन सरकार और पुलिस प्रशासन क्या कर रहे हैं ? उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को भी धमकियां मिली हैं, फिर भी कोई कार्रवाई दिखाई नहीं देती। यह गंभीर मामला है कि विधानसभा तक को धमकी दी जा रही है। सरकार क्या कर रही है।

गहलोत ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, बलात्कार, छेड़छाड़ और महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार हो रहे हैं, लेकिन सरकार कहीं दिखाई नहीं देती। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। जूली ने भी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा, यह कैसी कानून-व्यवस्था है। बार-बार अलग-अलग कार्यालयों को बम धमकी दी जा रही है और अब विधानसभा को भी धमकी मिली है। हर बार ऐसी धमकी आने पर दहशत फैल जाती है, कामकाज बाधित होता है और पुलिस प्रशासन व्यस्त हो जाता है। यह बार-बार हो रहा है। सरकार क्या कर रही है।

जूली ने कहा कि सरकार आरोपी को पकड़ने में नाकाम रही है और केवल बड़े-बड़े दावे कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया कि स्थिति पर नियंत्रण करें क्योंकि राजस्थान में हालात बिगड़ रहे हैं और बलात्कार, धोखाधड़ी तथा साइबर धोखाधड़ी जैसे अपराध आम हो रहे हैं।

शहर की सांस्कृतिक विरासत एवं ऐतिहासिक महत्व की विशेष थीम पर हो प्रवेश द्वारों के निर्माण : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सोमवार को अलवर नगर निगम एवं नगर विकास न्यास के अधिकारियों की टीम के साथ अलवर शहर के चारों प्रवेश मार्गों पर आकर्षक प्रवेश द्वार बनाए जाने वाली जगहों का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। शर्मा ने कहा कि अलवर शहर में आने वाले आगन्तुकों एवं पर्यटकों को शहर आकर्षक स्वरूप में दिखे, इसके लिए बहरोड़ रोड, तिजारा रोड, रामगढ़ रोड व ढाई पैड़ी पर अलवर शहर के चारों प्रवेश मार्गों पर कटी घाटी की तर्ज पर आकर्षक एवं भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण किया जावे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अलवर जिले की पहचान राजस्थान के सिंहद्वार के रूप में रही है, इसको दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने एवं शहर के सौन्दर्यकरण के लिए प्रवेश द्वारों का निर्माण विशेष थीम पर कार्य योजना तैयार कर कराया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रवेश द्वारों का निर्माण कार्य में स्थानीय कला एवं स्थापत्य शैली को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्ता के साथ कराया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रवेश द्वारों के आसपास सौन्दर्यकरण, हरियाली एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा प्रवेश द्वारों पर साइनेज आदि इस प्रकार लगाए जाए कि शहर में प्रवेश करने वाले यात्रियों को महत्वपूर्ण स्थानों की जानकारी सुगमता से मिल सके। इस दौरान नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका, नगर विकास न्यास के अधिशासी अभियन्ता अशोक मदान सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जेजेएम घोटाला : अदालत ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

जयपुर। जल जीवन मिशन (जेजेएम) से जुड़े 960 करोड़ रुपये के घोटाले में गिरफ्तार सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को सोमवार को एक बार फिर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अदालत में पेश किया गया। जहां अदालत ने उन्हें दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। एसीबी ने मामले में पूछताछ के लिए तीन दिन की हिरासत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने केवल दो दिन की हिरासत दी। यह आदेश एसीबी अदालत-प्रथम ने दिया। एसीबी की टीम ने अग्रवाल को बृहस्पतिवार को करोड़ो रुपये के जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया था।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाएं बनेंगी नीति निर्माता : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं से संवाद करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है और महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। संवाद के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मातृशक्ति के विचार, सुझाव और अनुभवों को जाना। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को एक बड़ा मंच मिलेगा, जिससे वे सीधे तौर पर लाभान्वित होंगी और नीति निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकेंगी। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में और अधिक सशक्त बनाएगा। यह बिल महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करेगा और उन्हें पुरुषों के समान अधिकार व अवसर दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहले कई सरकारों ने वादे किए, लेकिन इस सपने को साकार करने का काम वर्तमान सरकार ने किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस कदम से देश में बड़ा बदलाव आएगा और महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व करती नजर आएंगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम राजनीति में नए युग की शुरुआत : डॉ. सौम्या गुर्जर

दौसा । जयपुर की निवर्तमान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने देश में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण सुनिश्चित करने वाले 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को ऐतिहासिक बताते हुए इसे भारतीय राजनीति में एक नए युग का आगाज़ करार दिया है। दौसा में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की सराहना की। डॉ. गुर्जर ने कहा कि 2047 के 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में देश की आधी आबादी की भागीदारी अब केवल वोट देने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वे अब मुख्य नीति-निर्धारक के रूप में उभरेंगी। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व की भी प्रशंसा की और कहा कि केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार की योजनाएं महिलाओं को नई शक्ति प्रदान कर रही हैं। प्रेस वार्ता के दौरान डॉ. सौम्या ने वर्तमान राजनीतिक स्थिति के आंकड़ों पर भी प्रकाश डाला लोकसभा में वर्तमान में 543 में से केवल 74 महिला सांसद (14%) हैं। ाजस्थान विधानसभा में 200 में से केवल 20 महिला विधायक (10%) हैं। डॉ. गुर्जर ने बताया कि 2014 से पहले यह स्थिति और भी चिंताजनक थी। इस अधिनियम के लागू होने के बाद सदन में महिलाओं की मौजूदगी अनिवार्य रूप से 33% हो जाएगी। भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आने वाले समय में लोकसभा, विधानसभा के साथ-साथ पंचायत और नगरपालिका चुनावों में भी इसका लाभ मिलेगा।

वन राज्यमंत्री ने अमर शहीद भगतसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सोमवार को वैशाखी पर पंजाबी समाज के लोगों के साथ अमर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। वन राज्यमंत्री शर्मा ने आमजन को वैशाखी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई खुशियां, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ क्रांति की मशाल जलाने वाले भारत माता के वीर सपूतों की वजह से ही आज हम स्वतंत्रता से अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों ने अपने अद्वितीय संघर्ष

से स्वाधीनता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की, इसके लिए देश इनके अतुल्य त्याग और बलिदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि आज के दिन ही जालियांवाला बाग हत्याकांड हुआ था, जिसमें रोलेट एक्ट का विरोध करने के लिए एक सभा हो रही थी, जिसमें बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों की हत्या हुई व अनेक लोग घायल हुए थे।

वाहन कलपुर्जा उद्योग में एलपीजी की कोई बड़ी कमी नहीं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। वाहन कलपुर्जा उद्योग में एलपीजी की कोई गंभीर कमी सामने नहीं आई है और पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए उद्योग संगठनों के साथ लगातार संपर्क किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

भारी उद्योग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हनीफ कुरैशी ने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम पर आयोजित अंतर-मंत्रालयी बैठक में कहा कि आपूर्ति शृंखला से जुड़े मुद्दों को लेकर मंत्रालय वाहन उद्योग के संपर्क में है और हालात से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) और अन्य उद्योग संगठनों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रही है कि गैस की पर्याप्त आपूर्ति बनी रहे और किसी तरह की बाधा न आए।

परिवार सबसे बड़ी पूंजी, मिल-बैठकर घर में ही मामले सुलझा लें : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि परिवार सबसे बड़ी पूंजी होती है और पारिवारिक मामले मिल-बैठकर घर में ही सुलझा लें। मुख्यमंत्री ने सोमवार को 'जनता दर्शन' के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए प्रत्येक नागरिक से स्वयं मुलाकात की,उनकी शिकायतें सुनीं और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देश दिए।

एक बयान के मुताबिक इस दौरान कई शिकायतें पारिवारिक विवाद से जुड़ी आईं जिस पर मुख्यमंत्री ने सभी को समझाया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''परिवार सबसे बड़ी पूंजी है। समझदारी से पारिवारिक मामले मिल-बैठकर सुलझाएं। विश्वास करिए, बिखरने के बजाय परिवार एकजुट हो जाएगा और वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी भी एक रहेगी।'' मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने पारिवारिक विवादों से जुड़ी सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना। फिर शिकायत लेकर आए लोगों ने मुख्यमंत्री ने कहा, ''पारिवारिक झगड़ों में पुलिस-प्रशासन की सहायता लेना अंतिम विकल्प ही होना चाहिए। हमारे समाज में परिवार से बड़ी कोई पूंजी नहीं होती। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत भी है। श्रेयस्कर यही है कि घर के मामले घर में ही सुलझाए जाएं।'' उन्होंने कहा कि गलती परिवार के किसी भी सदस्य से हो सकती है, लेकिन थोड़ा समझदारी से काम लेंगे तो परिवार बिखरने से बच जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार में थोड़ा झुकने से सम्मान कम नहीं होता, इसलिए परिवार रूपी पूंजी को हर हाल में संभाल कर रखें। उन्होंने कहा कि यदि किन्हीं कारणों से विवाद हल नहीं होता है तो अंतिम विकल्प के रूप में शासन, प्रशासन या पुलिस की सहायता लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता व संवेदनशीलता के साथ किया जाए और इस मामले में शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य है। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों और कमजोरों को उजाड़ने वालों को किसी भी सूरत में ना बख्शा जाए और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

हिमंत पर राहुल की टिप्पणी को लेकर भाजपा का पलटवार, प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर सोमवार को पलटवार किया और उन पर ''प्रतिशोध की राजनीति'' करने तथा ''फर्जी दस्तावेजों'' के जरिये ''राजनीतिक हत्या'' का प्रयास करने का आरोप लगाया।

भाजपा की यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी द्वारा शर्मा को ''सबसे भ्रष्ट'' बताते हुए उन पर सरकारी तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाये जाने के बाद आई है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा का समर्थन करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी ''डरने वाली नहीं है।'' खेड़ा ने 5 अप्रैल को संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि शर्मा की पत्नी, रिंकी भुइयां शर्मा के पास कई पासपोर्ट और विदेशी संपत्तियां हैं, जिनका खुलासा 9 अप्रैल को हुए असम विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री के चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि खेड़ा द्वारा उद्धृत दस्तावेज ''मनगढ़ंत'' हैं और राहुल द्वारा ''प्रायोजित'' हैं तथा उन पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया।

कानपुर पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग घोटाले के 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर पुलिस ने सोमवार को ऑनलाइन गेमिंग-आधारित घोटालों में शामिल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया और एक संगठित साइबर धोखाधड़ी और ''डिजिटल अरेस्ट'' रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसके अंतरराष्ट्रीय लिंक होने का अंदेशा है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सत्यम तिवारी (22), अनमोल विश्वकर्मा (30), नितिन गुप्ता (27), अभिषेक वर्मा (28), हितेश निगम (32), स्नेहित बजाज (24), सुल्तान अहमद (24) और नौशाद (31) के रूप में हुई है, जो कानपुर के निवासी हैं। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बर्रा पुलिस और साइबर अपराध शाखा की संयुक्त टीम के इस ऑपरेशन ने एक ऐसे नेटवर्क का पर्दाफाश किया, जो 'लोटस 365', 'रेड्डी बुक', कार्तिकेय और दुबई एक्स जैसे प्रतिबंधित गेमिंग ऐप के ज़रिए लोगों को ठगता था। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर उपयोगकर्ताओं को जल्दी मुनाफे का वादा करके लुभाया और पैसे ऐंठे।

जीतन राम मांझी का नीतीश को लेकर भावुक संदेश : आप महामानव हैं, बिहार आपके बिना अधूरा'

पटना/भाषा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महामानव बताते हुए कहा कि बिहार उनके बिना अधूरा रहेगा। केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, नीतीश जी ने बिहार को सुशासन, विकास और गरिमा दी। महादलितों, पिछड़ों और गरीबों के लिए उनके कार्य इतिहास में दर्ज रहेंगे। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार का सपना चारों सदनोंविधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभाका सदस्य बनने का था, जो अब पूरा हो रहा है। लेकिन बिहार इस महामानव के बिना कैसे चलेगा? करोड़ों बिहारियों की आंखें नम हैं। ''

नीतीश कुमार के लंबे राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए मांझी ने कहा कि उनके कार्यकाल में कई उतार-चढ़ाव आए और गठबंधन भी बदले, लेकिन विकास के एजेंडे पर उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और कानून-व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में किए गए कार्यों से बिहार की तस्वीर बदलने में कुमार का योगदान महत्वपूर्ण और निर्विवाद रहा है। नीतीश कुमार राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री पद इस्तीफा देंगे।

'साम्राज्यवादी सत्ताधारी गिरोह और उनके साथियों के खिलाफ अब मेरठ से एक और आंदोलन होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारुढ़ भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए दावा किया कि 1857 की क्रांति के बाद अब मेरठ से एक और स्वतंत्रता आंदोलन जन्मेगा और वह आज के साम्राज्यवादी सत्ताधारी गिरोह और उनके संगी-साथियों के खिलाफ होगा।

सपा प्रमुख ने कहा कि सच्चाई तो यह है कि भाजपा ने पहले भूमि अधिग्रहण जैसे दुष्प्रयासों से खेतीबाड़ी-किसानी ख़त्म करनी चाही तथा अब अमेरिकी सौदे और बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं कुछ अकूत दौलत के मालिकों के इशारे पर वह भारत का व्यापार ख़त्म कर रही है। पार्टी की मंशा है कि समूची अर्थव्यवस्था पर भाजपाइयों एवं उनको सीधे चंदा देनेवाले खरबपतियों का क़ब्ज़ा हो जाए और परंपरागत व्यापारियों का कारोबार सड़कों पर भी जगह न पा पाए। यादव ने कहा,''जो बड़े व्यापारी आज भाजपा के साथ हैं, वे भी भाजपा की गलत नीतियों और मंसूबों का शिकार बनेंगे। ये बात अब सबको समझ आ रही है, इसीलिए हर व्यापारी, दुकानदार, कारख़ाना मालिक, सूक्ष्म-लघु-मध्यम स्तर का उद्यमी अब भाजपा के विरुद्ध एकजुट हो रहा है।'' यादव ने कहा कि उनका भी भ्रम टूट गया है कि भाजपा किसी की सगी नहीं है क्योंकि पार्टी अकूत महा-राशि के सिवाय किसी की सगी नहीं है। बयान के अनुसार अखिलेश यादव ने कहा कि दरअसल भाजपा का बुलडोज़र दुकानों-मकानों पर नहीं बल्कि भारत की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था पर चल रहा है।

एसआईआर बंगाल चुनावों के लिए ''प्रमुख मुद्दा'', जनता घुसपैठियों को बाहर निकालेगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एक प्रमुख मुद्दा है और जनता ने राज्य से घुसपैठियों को बाहर निकालने का संकल्प लिया है।

पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में अपने रोड शो के दौरान 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में शाह ने कहा कि बंगाल में राजनीतिक हिंसा की जिम्मेदारी केवल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी पर है। अभिषेक तृणमूल कांग्रेस के महासचिव हैं। शाह ने कहा, ''पश्चिम बंगाल के लिए एसआईआर वाकई एक बड़ा मुद्दा है। क्या इस देश में विदेशी मतदाताओं को होना चाहिए? भारत कोई धर्मशाला नहीं है। घुसपैठियों को बाहर निकालना होगा। ममता बनर्जी चाहे कुछ भी कहें, जनता ने इस बार राज्य से घुसपैठियों को निकालने का संकल्प लिया है।'' केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव के बाद बंगाल में निश्चित रूप से सरकार बनाएगी। शाह ने कहा, ''देश में अब सिर्फ एक ही राज्य बचा है जहां राजनीतिक हिंसा सबसे आम है, और इसके लिए ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ही जिम्मेदार हैं।'' रोड शो के दौरान सड़कों पर उमड़ी भीड़ की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, ''लोगों की उपस्थिति देखिए। इस बार चुनाव के दिनों में तृणमूल कांग्रेस के गुंडे अपने घरों से बाहर भी नहीं निकल पाएंगे।''

नीतीश कुमार ने सत्ता छोड़ने से पहले बिहार का खजाना खाली किया : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने से पहले बिहार का खजाना खाली कर दिया है और अब राज्य की सरकार दिल्ली से चलाई जाएगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को हड़प लिया है। यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, नीतीश कुमार बिहार छोड़ने वाले हैं और उससे पहले ही उन्होंने राज्य का खजाना खाली कर दिया है। 20 वर्षों के राजग शासन के बाद भी बिहार सबसे गरीब राज्य बना हुआ है, जहां प्रति व्यक्ति आय और निवेश सबसे कम है तथा शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति भी खराब है।

राजद नेता ने यहां पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में पार्टी के छात्र संगठन का नाम बदलकर 'सोशलिस्ट स्टूडेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसएसएआई)' करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि 2017 में गठित 'छात्र राजद' के नाम को समाप्त कर अब नए नाम को अपनाया जा रहा है।

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर कर्मचारियों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा, आगजनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर फैक्टरी कर्मियों द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान सोमवार को जमकर हिंसा हुई और इस दौरान औद्योगिक क्षेत्रों में पुलिस की एसयूवी समेत कई वाहनों में आग लगा दी गई, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया तथा कई जगहों पर पथराव की घटनाएं सामने आईं।

प्रदर्शन के कारण यातायात ठप हो गया, जिससे सुबह के व्यस्त समय में दिल्ली जाने वाली विभिन्न सड़कों पर हजारों यात्री फंस गए। दिल्ली-नोएडा सीमा पर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारियों ने बताया कि फेज-2 और सेक्टर-60 स्थित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के कर्मचारी बड़ी संख्या में सुबह एकत्र हुए और उन्होंने वेतन संशोधन की अपनी काफी समय से लंबित मांग को लेकर नारेबाजी तथा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि श्रमिक अन्य मांगों के साथ-साथ पड़ोसी राज्य हरियाणा की तर्ज पर वेतन वृद्धि की मांग कर रहे हैं।

सेक्टर-62 और सेक्टर-84 में भी मजदूरों ने सुबह से ही प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-9 को भी जाम कर दिया जिससे गाजियाबाद के निकट दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शन जल्द ही हिंसक हो गया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने संपत्ति में तोड़फोड़ की, पथराव किया और वाहनों में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर आयुक्तालय के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है। अधिकारियों के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी स्थिति पर नजर रखने के लिए मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में भारी पुलिस बल भेजा गया है।

पुलिस ने एक बयान में कहा, ''स्थिति नियंत्रण में है और लगातार निगरानी की जा रही है। कर्मचारियों को समझाने और शांति बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जहां आवश्यक है, वहां न्यूनतम बल का इस्तेमाल किया जा रहा है।'' अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और आश्वासन दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल की जा रही है।

'भाजपा का मतलब है हिरासत, तृणमूल का मतलब है तनाव से मुक्ति'

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां हिरासत और नुकसान को बढ़ावा देती हैं, जबकि उनकी पार्टी सुरक्षा और कल्याण के लिए खड़ी है।

नदिया जिले के करीमपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने भाजपा पर मतदाताओं में भय पैदा करने और एसआईआर जैसी कवायद के माध्यम से उन्हें उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। लोगों को कतारों में खड़ा किया गया और उनके मतदान के अधिकार छीन लिए गए। इसका जवाब वोटों के माध्यम से ही दिया जाना चाहिए। बनर्जी ने कहा, मतुआ, नामाशुद्र और अन्य पिछड़े वर्ग के मतदाताओं सहित हाशिए पर रहने वाले समुदायों का बड़ा हिस्सा वैध दस्तावेज होने के बावजूद एसआईआर से काफी प्रभावित हुआ है। भाजपा का मतलब है हिरासत, और तृणमूल कांग्रेस का मतलब है कोई तनाव नहीं।

बाबा साहब का जीवन विपरीत परिस्थितियों में भी समाज में व्यापक परिवर्तन का सबक सिखाता है : पंकज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का जीवन सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प और शिक्षा के माध्यम से समाज में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि 2022 में दोबारा भाजपा की सरकार बनी थी और अब उसका 2027 में हैट्रिक लगाने का संकल्प है।

रायबरेली के बछरावां विधानसभा क्षेत्र के कन्नावां गांव में सोमवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चौधरी ने बाबा साहब डाक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा,''यह सिर्फ एक प्रतिमा का अनावरण नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता एवं संविधान के मूल्यों के प्रति हमारी अटूट आस्था का प्रतीक है।''

चौधरी ने कहा, ''बाबा साहब का जीवन हमें यह सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प और शिक्षा के माध्यम से समाज में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने देश को एक ऐसा संविधान दिया, जो हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि उनका संपूर्ण जीवन दलित, वंचित और शोषित समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा।

चौधरी ने कहा,''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में बाबा साहब के विचारों को सच्चे अर्थों में सम्मान दिया जा रहा है। डबल इंजन सरकार भी बाबा साहब के विचारों को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है।''

इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, ऊंचाहार विधायक डॉ. मनोज पांडेय, सदर विधायक अदिति सिंह, सलोन विधायक अशोक कुमा समेत कई प्रमुख लोग कार्यक्रम में मौजूद थे। कार्यक्रम संयोजक पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने सभी का स्वागत किया।

उत्तर और दक्षिण के बीच दरार डालने की कोशिश है परिसीमन : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार की ओर से प्रस्तावित परिसीमन की प्रक्रिया जाति जनगणना नहीं कराने तथा उत्तर एवं दक्षिण भारत के बीच दरार पैदा करने की कोशिश है। पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा महिला आरक्षण एवं परिसीमन के विषय पर एक अंग्रेजी दैनिक के लिए लिखे गए लेख का हवाला देते हुए यह भी कहा कि महिला आरक्षण कानून के आवरण में गलत परिसीमन को कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जो परिसीमन लोगों पर थोपा जा रहा है, वह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच दरार पैदा करने की एक कोशिश है। दक्षिण भारत के कई राज्य मानव विकास सूचकांक के मामले में उत्तर भारत के कई राज्यों से बेहतर हैं। फिर उनको नुकसान क्यों हो?''

खेल मंत्री ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय दल को सम्मानित किया

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल में बैंकॉक में संपन्न विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने के लिए सोमवार को भारतीय दल को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में में 21 देशों के 113 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। भारत सात स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदक के साथ कुल 13 पदक जीतकर शीर्ष पर रहा। मांडविया ने कहा, ''मैं आपको ना सिर्फ पदक तालिका में शीर्ष पर रहने बल्कि दूसरे स्थान पर रहने वाले देश से दोगुने पदक जीतने के लिए भी बधाई देता हूं। जब आप जीतते हैं तो यह कभी किसी एक की जीत नहीं होती बल्कि यह जीत देश की होती है और हर भारतीय को आपकी उपलब्धियों पर गर्व होता है।'' उन्होंने कहा, ''आप नए भारत की भावना को दिखाते हैं और आज आप जो हासिल करेंगे वह कल के खेल इतिहास को तय करेगा। इस प्रदर्शन के साथ एशियाई खेलों में आपसे उम्मीदें बढ़ेंगी। कड़ी मेहनत करते रहें और बेहतरीन प्रदर्शन करते रहें।''

कार्लोस अल्कारेज को पछाड़कर यानिक सिनर फिर बने दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोम/एपी। इटली के यानिक सिनर नवीनतम एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में कार्लोस अल्कारेज को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए।

सिनर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में स्पेन के अल्कारेज को हराकर खिताब जीता था जिसके बाद वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहे। क्ले कोर्ट पर यह सिनर का पहला बड़ा खिताब है और उन्होंने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को हराकर यह खिताब हासिल किया। सिनर ने कहा, ''यह मेरे लिए काफी मायने रखता है क्योंकि इसका मतलब है कि मैं आगे बढ़ रहा हूं।'' यह 2026 के लिए सिनर के मुख्य लक्ष्य की ओर बढ़ाया गया पहला कदम है। उनका लक्ष्य फ्रेंच ओपन जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करना है।

सिनर के 13350 अंक हैं जबकि अल्कारेज 13240 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव 5555 अंक के साथ तीसरे पायदान पर हैं।

नोवाक जोकोविच, फेलिक्स ऑगर एलियासिम, बेन शेल्टन, एलेक्स डि मिनोर, टेलर फ्रिट्ज, लॉरेंजो मुसेटी और दानिल मेदवेदेव शीर्ष 10 में शामिल हैं।

सिक्किमः सड़क धंसने के कारण लाचेन में फंसे 158 चालक बचाए गए

गंगटोक/भाषा। उत्तरी सिक्किम के लाचेन में सड़क धंसने के कारण फंसे पर्यटक और निजी वाहनों के कुल 158 चालकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सभी वाहनों को भी वहां से बाहर निकाल लिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, पांच अप्रैल को चुंगथांग-लाचेन मार्ग पर तारम चू के पास सड़क धंसने के बाद उन वाहनों में फंसे कुल 1,321 पर्यटकों को नौ अप्रैल को ही बचा लिया गया था। उन्हें घटनास्थल पर बनाए गए एक अस्थायी पैदल पुल के जरिए निकाला गया था। उन्होंने बताया कि वहां फंसे रह गए 114 चालकों और उनके वाहनों को रविवार को डोंगक्या ला दर्रे के रास्ते निकाला गया। इन वाहनों को जीरो पॉइंट, युमथांग, लाचुंग से होते हुए मंगन और फिर गंगटोक की ओर रवाना किया गया।

सुविचार

जीवन रंगों से भरा है, बस नजरिया बदलने की जरूरत है। हर स्थिति में कुछ न कुछ सकारात्मक ढूँढना सीखें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बोरसर ने दिखाया सुधार का रास्ता

मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के बोरसर गांव ने अपशब्दों पर प्रतिबंध लगाकर सराहनीय पहल की है। जो व्यक्ति इस गांव में अपशब्द बोलता पाया जाएगा, उसे या तो 500 रुपए का जुर्माना अदा करना होगा या एक घंटे तक गांव की सफाई करनी होगी। देश में अपशब्दों का प्रयोग एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। कई लोगों में इतनी खराब आदत होती है कि वे बच्चों के सामने अभद्र शब्द बोलते हैं। ऐसे खुराफाती भी होते हैं, जो छोटे बच्चों को चुपके-से अपशब्द सिखा देते हैं। इसके बाद जब बच्चे तुतलाती बोली में इन शब्दों को दोहराते हैं तो वे ठहाके लगाते हैं। क्या यह कोई मनोरंजन का विषय है? छोटे बच्चों को ऐसी बुरी बातें सिखाने से उनके मन पर कितना नकारात्मक असर पड़ सकता है? प्राय: ऐसे लोगों को लगता है कि अगर वे अपशब्द बोलेंगे तो 'बड़े, निडर और साहसी' कहलाएंगे! इसका बड़प्पन से कोई संबंध नहीं है। अपशब्द बोलने से कोई निडर नहीं हो जाता। साहस एक सद्गुण है। इसे दुर्गुण से न मिलाया जाए। इस आदत को कई वेब सीरीजों ने बहुत बढ़ावा दिया है। उनके संवादों में जानबूझकर अपशब्द डाले जाते हैं। ऐसा माहौल बना दिया गया है कि पूरा परिवार एकसाथ बैठकर कोई सीरीज नहीं देख सकता। कहीं यह भारतीय परिवारों को तोड़ने की कोई साजिश तो नहीं है? ऐसे कई मामले आ चुके हैं, जब बच्चों ने कोई वेब सीरीज देखी और उसमें बोले गए अपशब्दों का प्रयोग स्कूल में अपने साथियों के सामने किया। इस तरह ये शब्द बहुत तेजी से फैलते हैं। अभिभावकों को आश्चर्य होता है कि बच्चे ऐसे शब्द कैसे बोल रहे हैं! वहीं, बच्चों को लगता है कि अगर अपशब्द बोलेंगे तो इसका मतलब है कि हम बड़े हो गए, क्योंकि टीवी में बड़े लोगों को ऐसा बोलते सुना था!

जो वेब सीरीज, फिल्में, धारावाहिक, गाने आदि अपशब्दों के जरिए समाज को प्रदूषित करें, उनके निर्माताओं, निर्देशकों, लेखकों, अभिनेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हाल में दो ऐसे गाने बहुत चर्चा में रहे थे, जिनके शब्द अत्यधिक अशालीन थे। लोगों ने उनका बहुत विरोध किया था। यह एक अच्छी शुरुआत है। ऐसी ओछी हरकतों का विरोध होना ही चाहिए। अश्लील, अभद्र और अशालीन शब्द बोलना सामान्य व्यवहार का हिस्सा नहीं है। यह मानसिक विकृति का परिचायक है। जो व्यक्ति ऐसा करे, उसे हतोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके अलावा भी कई बुराइयां हैं, जिनका उन्मूलन करने के लिए बोरसर गांव की तर्ज पर कोशिशों की जरूरत है। उदाहरण के लिए- कई लोग गुटखा, खैनी, पान आदि खाकर इधर-उधर थूकते रहते हैं। कई सार्वजनिक स्थानों की दीवारें पीक से रंगी पड़ी हैं। न जाने लोगों को इसमें क्या आनंद आता है! अगर किसी जगह को सुधार नहीं सकते, तो बिगाड़ते क्यों हैं? इन लोगों की आदत में सुधार लाने के लिए जुर्माना लगाया जाए। साथ ही, उस जगह की सफाई भी कराई जाए। उस जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर कड़ी नजर रखी जाए। जो व्यक्ति वहां थूके, उसका वीडियो सोशल मीडिया पर डाला जाए। इसी तरह कई लोग अपने घर का कूड़ा-कचरा बाहर फेंकते हैं। उस पर मक्खी-मच्छर मंडराते हैं और बीमारियां फैलाते हैं। बहुत लोग सुबह कचरा जलाते हैं। उन्हें लगता है कि इससे सफाई होती है, जबकि पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। जब कोई व्यक्ति उन्हें समझाने की कोशिश करता है तो वे झगड़ा करने लगते हैं। प्राय: सब्जी मंडियों में कचरे के ढेर का इसी तरह निपटारा किया जाता है। अगर लोग थोड़ी-सी बुद्धि लगाएं तो इस कचरे से रसोईघर के लिए गैस और खेत के लिए खाद बना सकते हैं। सकारात्मक बदलाव लाने के लिए इतनी इच्छाशक्ति सब में होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

'नारी शक्ति वंदन एक्ट' सिर्फ़ एक कानून नहीं है, बल्कि लाखों महिलाओं के सपनों को पंख देने का एक ज़रिया है। जागरूक माताओं और बहनों से बातचीत करना, उनकी ऊर्जा और सुझावों को जानना, एक यादगार अनुभव रहा है।

-भजनलाल शर्मा

यह ऐसी सरकार है जो अकेले कांग्रेस सरकार के वादों के हिसाब से काम करती है। अब तक गारंटी पर 1.30 लाख करोड़ खर्च हो चुके हैं। भाजपा के जो लोग राज्य की गारंटी की आलोचना करते हैं, वे खुद दूसरे राज्यों में उनका अनुसरण कर रहे हैं।

-सिद्दरामय्या

आज रायसेन एग्रीकल्चर मेले में मुंशीलाल और उनकी पत्नी से मिलकर मेरा दिल खुशी से भर गया। ऐसे समय में जब पारंपरिक बीज खत्म हो रहे हैं, यह परिवार देसी लौकी की 26 किस्मों को बचाने का शानदार काम कर रहा है।

-शिवराजसिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

आत्मबोध और ईमानदारी

छठी शताब्दी में कन्फ्यूशियस ने अपने पुत्र कांग ली को चिंतक चेन जिकिन के पास शिक्षा लेने भेजा। दोनों रहस्यदर्शियों के बारे में कहा जाता है, कि किसी ने उन्हें संवाद करते हुए नहीं देखा। मगर दोनों एक-दूसरे का बहुत आदर करते थे। चेन जिकिन ने कन्फ्यूशियस के पुत्र से पूछा, क्या तुम्हारे पिता ने तुम्हें ऐसा कुछ भी सिखाया है, जो हम नहीं जानते? नहीं, कन्फ्यूशियस के पुत्र ने कहा, लेकिन एक बार जब मैं अकेला था तो उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं कविता पढ़ता हूं या नहीं? मेरे मना करने पर वे बोले कि मुझे कविता पढ़नी चाहिए क्योंकि यह आत्मा को दिव्य प्रेरणा के पथ पर अग्रसर करती है। एक बार उन्होंने मुझसे देवताओं को अलंकृत करने की रीतियों के बारे में पूछा, मैं यह नहीं जानता था इसलिए उन्होंने मुझे इसका अभ्यास करने के लिए कहा ताकि देवताओं को अलंकृत करने से मैं स्वयं का बोध भी कर सकूं। लेकिन उन्होंने यह देखने के लिए मुझ पर नजर नहीं रखी कि मैं उनकी आज्ञाओं का पालन कर रहा हूं या नहीं। चेन जिकिन ने मन ही मन में कहा, मैंने इससे एक प्रश्न पूछा और मुझे तीन उत्तर मिले। मैंने काव्य के बारे में कुछ जाना।

सामयिक

डॉ. अम्बेडकर का योगदान और आधुनिक भारत की दिशा

अखिलेश आर्येन्दु
मोबाइल : 8178710334

भारतीय समाज को विकसित, शिक्षित और जागरूक बनाने का डॉ. अम्बेडकर का स्वप्न एनडीए सरकार पूरा करते दिखाई दे रही है। बावजूद आज भी देश के करोड़ों लोग शिक्षा व अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हो पाए हैं। यही वजह है बधुआ मजदूरी, बाल विवाह, गैरबराबरी और गरीबी को किस्मत का खेल या ईश्वराज्ञा मानकर स्वीकार करने वाले और शोषितों की तादाद करोड़ों में है। जुल्म और शोषण का दायरा घटने के बजाय बढ़ा है। एक कुशल अर्थशास्त्री और एक मिशनरी के रूप में उनके योगदान को याद करते हुए यदि भारतीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय को जन आंदोलन बनाने की ओर आगे बढ़े होते तो कोई वजह नहीं कि समाज का गरीब, पिछड़ा और मजलूम तबके की हालात में वर्षों पहले सुधार न हो गया होता।

उन्होंने भारतीय शिक्षा के साथ-साथ विदेशों में भी उच्च शिक्षा हासिल किया था। जिससे उन्हें भारतीय और विदेशी दोनों तरह के वैज्ञानिक, कानूना और सामाजिक ज्ञान हुआ। कोलम्बिया विश्वविद्यालय में रिसर्च के दौरान डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने एक थिसिस लिखी- नेशनल डिवोटेड आफ इंडिया जो 1924 में प्रकाशित हुई, जिसमें उन्होंने फाइनेंस कमीशन का कन्सेप्ट दिया और उसी कन्सेप्ट के आधार पर फाइनेंस कमीशन की स्थापना हुई। यहां पर इसका जिक्र इसलिए कर रहा हूं, क्योंकि आज फाइनेंस के उनके विकासवादी कन्सेप्ट की कोई चर्चा नहीं करता और न ही फाइनेंस के मामले में उनके कार्यों पर कोई आगे की रणनीति बनाई जाती है। वे भी नहीं करते जो राजनीतिक दल खुद को अम्बेडकरवादी कहते हैं। गौरतलब है उनके जन्मदिन पर हम उन्हें याद कर उनके कृतित्व और व्यक्तित्व की तारीफ में तमाम कसीदे गढ़ते हैं लेकिन उनके सामाजिक न्याय, धर्म संबंधी विचार, राष्ट्रीय सुरक्षा और शिक्षा संबंधी तमाम विचारों को जन आंदोलन बनाने से कतराते हैं। यही वजह है कि आज भी समाज में जातिवाद, जातिप्रथा, गंदी प्रथाएं, पाखंड, अंधविश्वास, कुरीतियां, भ्रष्टाचार, यौन अपराध, साम्प्रदायिकता और देश को अस्थिर करने वाली ताकतें वक्त-दर-वक्त सिर उठाती रहती हैं।

डॉ. अम्बेडकर ने मजदूरों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए विधिमंत्री के रूप में संविधान में व्यवस्था की और उनके लिए जीवन-पर्यन्त लड़ाई लड़ते रहे। मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी, मजदूरों के भविष्यनिधि की व्यवस्था बाबा साहब ने अपने कार्यकाल में कर दिया था, लेकिन बाबा साहब के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए एनडीए सरकार ने दो सप्ताह पहले न्यूनतम मजदूरी सहित कई सुधारों के जरिए मजदूरों को शोषण से बचाने और उनकी खुशहाली के लिए जो नए प्राविधान कानून में किया है उससे उनके हालात में सुधार आएगा और काफी हद तक वे शोषण से छुटकारा पा जाएंगे। बाबा साहब चाहते थे कि संविधान के तहत एक आर्थिक ढांचे का निर्माण हो। एक गरीब और असहाय व्यक्ति और परिवार के जीवन में किस-किस तरह की समस्याएं आती हैं और उनसे कदम-कदम पर गरीब को किस तरह दो चार होना पड़ता है, उनका भोगा हुआ यथार्थ था। लेकिन उन्होंने संविधान में बदले की भावना से ऐसा कोई प्राविधान नहीं किया जिससे किसी कौम का अहित होता हो। उन्होंने न जाने कितने तिरस्कार, अपमान और उपेक्षाएं झेलीं थीं लेकिन उन्होंने बदले की भावना से कभी कोई कार्य नहीं किया। उच्च जातियों से उन्होंने कभी बदले की भावना से व्यवहार नहीं किया। यही वजह है कि उनके विचारों से प्रभावित होकर एक उच्च जाति की महिला ने उनसे विवाह किया था। गौर तलब है एक युग निर्माता की तरह उन्होंने सब का साथ-सब का विकास और सब का विश्वास का फार्मूला अपनाया। उन्होंने उन विचारों को आगे बढ़ाया जो भारतीय जनता के लिए हितकारी थे। उन्होंने भारतीय जनमानस को शिक्षित होने, संघर्ष करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित ही नहीं किया, बल्कि निर्भय होकर अपने अधिकारों को हासिल करने और देश-समाज के प्रति कर्तव्य को पूरा करने के लिए आगे आने का आह्वान भी किया किया।

अम्बेडकर ने यूं तो अनेक क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किए लेकिन उन्होंने सबसे बड़ा कार्य संविधान निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर और समाज सुधार के रूप में अपना सर्वोच्च योगदान देकर निभाई। उन्होंने धर्म के बारे में अपना विचार देते हुए कहा था- ''कुछ लोगों का सोचना है कि धर्म समाज के लिए जरूरी नहीं है, मैं इस ष्टिकोण को स्वीकार नहीं करता। मैं धर्म की आधारशिला को जीवन और समाज के व्यवहारों के लिए आवश्यक मानता हूं।

इतिहास के उन पन्नों को पलटते हैं तो मालूम होता है कि विधिमंत्री रहते हुए उन पर दबाव देकर कुछ ऐसे प्राविधान भी संविधान में कराए गए जो देशहित में नहीं थे उनमें धारा 370 भी एक है। अनुच्छेद 370 जो कभी राजनीति के गलियारे में राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय दुनिया में एक चर्चा का विषय माना जाता था को डॉ. अम्बेडकर ने नेहरू के दबाव में दबे मन से अस्थाई रूप में संविधान में जगह दी थी। गौरतलब है संविधान में अनुच्छेद 370 जोड़ने और कश्मीर को विशेष' दर्जा देने की मांग शेख अब्दुल ने जब तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू के सामने रखा तो नेहरू ने प्रारुप समिति के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर के पास उन्हें भेजा दिया था। डॉ. अम्बेडकर ने 'कश्मीर को विशेष' दर्जा दिलाने के लिए कोई अनुच्छेद जोड़ने से मना कर दिया, परन्तु नेहरू की जिद की वजह से बहुमत के आधार पर यह (अनुच्छेद 370) लागू किया गया। गौरतलब है डॉ. अम्बेडकर ने इस अनुच्छेद को अस्थायी माना। अब जब कि भाजपा सरकार ने श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस धारा को हमेशा के लिए खत्म कर दिया, डॉ. अम्बेडकर के विचारों को ही मूर्तरूप दिया है।

अम्बेडकर ने यूं तो अनेक क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किए लेकिन उन्होंने सबसे बड़ा कार्य संविधान निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर और समाज सुधार के रूप में अपना सर्वोच्च योगदान देकर निभाई। उन्होंने धर्म के बारे में अपना विचार देते हुए कहा था- ''कुछ लोगों का सोचना है कि धर्म समाज के लिए जरूरी नहीं है, मैं इस दृष्टिकोण को स्वीकार नहीं करता। मैं धर्म की आधारशिला को जीवन और समाज के व्यवहारों के लिए आवश्यक मानता हूं। साथ में यह भी कहा, अगर धर्म (पंथ) को ही मनुष्य के लिए सब कुछ मान लिया जाएगा तो किन्हीं और मानकों का कोई मूल्य नहीं रह जाएगा।'' उन्होंने जीवन को लम्बा बिताने के बजाए, महानता अर्जित करने वाला होने के लिए बनाना चाहिए पर खास जोर दिया।

डॉ. अम्बेडकर ने कहा, ज्ञान का विकास ही मनुष्य का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को हर हाल में शिक्षित होना आवश्यक है। वे महिलाओं के सम्मान के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने कहा,किसी भी कौम का विकास उस कौम की महिलाओं के विकास से मापा जाता है। इसलिए प्रत्येक परिवार की प्रत्येक महिला को शिक्षित होना आवश्यक है। उन्होंने व्यक्तिगत गुलामी को मानव की सबसे बड़ी दीनता बताया। उन्होंने कहा, ''जिस प्रकार, हर व्यक्ति यह सिद्धांत दुहराता है कि एक देश दूसरे देश पर शासन नहीं कर सकता, उसी प्रकार उसे यह मानना होगा कि एक वर्ग दूसरे वर्ग पर शासन नहीं कर सकता है।'' उनके ये विचार संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों में दर्ज हैं लेकिन उन्हें अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। वह चाहे महिला सुरक्षा के बारे में हो या शोषण, जुल्म और किसी की गुलामी के बारे में।

बाबा साहब ने सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक रूप से समाज के दबे-कुचले लोगों को विकास की धारा में लाने के लिए क्रांति की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका मानना था, क्रांति की सफलता के लिए गुस्सा/जोश ही पर्याय नहीं है बल्कि न्याय, राजनैतिक और सामाजिक अधिकारों के प्रति पूरी तरह से जागरूक भी होना पड़ेगा। वह महानता जन्म से नहीं बल्कि अर्जित करके पाने के हिमायती थे। वह ऐसी संस्कृति के पोषक थे जो सबको आगे बढने के समान अवसर की बात करती हो। वह ऐसी व्यवस्था चाहते थे, जहाँ पर धनवान, निर्धन, अपंग और उपेक्षित सभी को बराबर आगे बढ़ाने का समान अवसर और सुविधा हो। वह कहा करते थे-एक महान व्यक्ति एक प्रख्यात व्यक्ति से एक बिंदु पर भिन्न है कि, महान व्यक्ति समाज का सेवक बनने के लिए तत्पर रहता है। आज जब कि समानता, सहिष्णुता, प्यार, एकता और इंसानियत की बातें खूब की जाती हैं, लेकिन न तो आजादी के 78 सालों में देश और समाज में किसी भी स्तर और दिशा में समानता दिखाई देती है, न तो सहिष्णुता, प्यार और एकता का ही कोई धारा ही आगे बढ़ती दिखाई पड़ती है। जिस लोकतंत्र व्यवस्था की आधार संविधान संभा के वे अध्यक्ष थे, उस संविधान को लेकर राजनीति करना, क्या लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य हैं या लोकतंत्र को कमजोर करने का?

क्या लोकतंत्र के नाम पर 'स्वच्छन्दता' को नागरिक आजादी बताना लोकतंत्र को कमजोर करने का कार्य माना जाएगा या लोकतंत्र को मजबूत करने का? ऐसे तमाम सवाल हैं जो आजादी के बहत्तर साल के बाद भी हमारे सामने खड़े हो गए हैं। क्या डॉ. अम्बेडकर के विचारों और कार्यों से आज के राजनेता, राजनीतिक दल, मंत्री, विधायक व सांसद कुछ सीखने की कोशिश करेंगे या महज उनकी मूर्ति पर फूल-माला चढ़ाकर झूठी श्रद्धांजलि देकर आगे बढ़ जाएंगे? उन जीवन, समाज, देश और मानवीय मूल्यों की सुरक्षा और संरक्षण के कार्य कौन आगे बढ़ाएगा जिसे डॉ. अम्बेडकर एक विकसित समाज, देश, संस्कृति और प्रगति के लिए जरूरी मानते थे?

नजरिया

लापरवाही की तेज रफ्तार कुचल रही जिंदगियां

डॉ. मोनिका शर्मा
मोबाइल : 9829443127

सड़क हादसों की समस्या केवल सरकार के प्रयासों से हल नहीं होगी, बल्कि इसमें आम नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि हर व्यक्ति जिम्मेदारी से वाहन चलाए, ट्रैफिक नियमों का पालन करे और दुर्घटना के समय मानवता दिखाए, तो इन घटनाओं में निश्चित रूप से कमी लाई जा सकती है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर की सड़कों पर दौड़ रही रफ्तार की तेजी के बीच मासूम जिंदगियों के मौत की भेंट चढ़ने का सिलसिला आम हो चला है। मामला ओवरस्पीड का हो या हिट एंड रन का, हालात कमोबेश यही हैं। इनको लापरवाही का नाम देकर कफन में दफन किया जा रहा है। ताजा उदाहरण जयपुर में हुईं दो अलग घटनाएं हैं। पहली जहां महेश नगर इलाके में एक बेकाबू वैन ने घर के बाहर बैठी बुजुर्ग महिला को टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौत हो गई। इसी तरह से झालाना क्षेत्र में आरआईसी सेंटर के नजदीक रात को एक बेकाबू कार ने एक पत्रकार युवक को टक्कर मार दी। इलाज के दौरान गंभीर हालत में उस पत्रकार की भी मौत हो गई। यह मात्र दो घटनाएं नहीं हैं, बल्कि आए दिन इस तरह के मामले देखने में आते हैं, जब बेकाबू वाहन से किसी न किसी निर्दोष की जान जाती रही है। ओवरस्पीड यानी रफ्तार की अंधी दौड़ न सिर्फ एक जिंदगी बल्कि उनके पीछे छूट रहे परिवारों के भविष्य को भी कुचल रही हैं। कभी नशा तो कभी रोमांच भी इसकी असली वजह बन रहा है। महज लापरवाही का नाम देकर क्लेम सेटलमेंट प्रावधान (हर्जाना) की कार्रवाई जान गंवाने वाले व्यक्ति और उनके परिवार के भविष्य का सौदा करने के लिए काफी है। यह बात सोचनीय है।

जयपुर में सड़क दुर्घटनाएं लगातार गंभीर समस्या बनती जा रही हैं, जिनमें ओवरस्पीड, ड्रिंक एंड ड्राइव और हिट एंड रन के मामलों में भी चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। ये घटनाएं न केवल कानून व्यवस्था को चुनौती देती हैं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा पर भी बड़ा खतरा पैदा करती हैं। हाल के वर्षों में सामने आए मामलों और उपलब्ध आंकड़ों से स्पष्ट है कि यह समस्या अब सामाजिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर ध्यान मांगती है। जयपुर और पूरे राजस्थान के आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति चिंताजनक दिखाई देती है। वर्ष 2025 में जयपुर में घातक सड़क हादसों में लगभग 90 से अधिक लोगों की मौत दर्ज की गई।

वहीं राष्ट्रीय स्तर पर हिट एंड रन के मामलों में भी बढ़ोतरी देखी गई है, जो अप्रत्यक्ष रूप से राज्य की स्थिति को भी प्रभावित करती है। जयपुर में हाल ही में कई गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। एक मामले में तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को कुचल दिया, जबकि एक अन्य घटना में एक व्यक्ति को वाहन से घसीटते हुए मौत के घाट उतार दिया गया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि हिट एंड रन केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में भयावह परिणाम सामने ला रहा है। इन मामलों के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है तेज रफ्तार, खासकर रात के समय या कम ट्रैफिक वाली सड़कों पर लोग वाहन तेजी से चलाते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण नशे में ड्राइविंग है। शराब या अन्य नशे के प्रभाव में चालक अपना नियंत्रण खो देते हैं।

इसके अलावा ट्रैफिक नियमों की अनदेखी जैसे सिग्नल तोड़ना, सीट बेल्ट या हेलमेट का उपयोग न करना भी दुर्घटनाओं को बढ़ावा देता है। एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है दुर्घटना के बाद कानूनी कार्रवाई का डर, जिसके चलते कई चालक घटनास्थल से भाग जाते हैं। साथ ही कई क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों और ट्रैफिक निगरानी की कमी भी इन अपराधों को बढ़ने का मौका देती है। इन मामलों में कानून की बात करें तो देश में हिट एंड रन मामलों को गंभीर अपराध माना जाता है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 और मोटर वाहन कानूनों के तहत दुर्घटना के बाद मौके से भागना दंडनीय अपराध है। यदि चालक घायल व्यक्ति की मदद नहीं करता है और फरार हो जाता है, तो उसे जेल और जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है।

नए प्रावधानों के अनुसार, गंभीर मामलों में कठोर सजा का प्रावधान किया गया है ताकि ऐसे अपराधों पर रोक लगाई जा सके। साथ ही गुड सेमेरिटन (सहायता करने वाले नागरिक) को कानूनी सुरक्षा भी दी गई है, जिससे लोग बिना डर के घायल की मदद कर सकें। हिट एंड रन मामलों के दुष्परिणाम अत्यंत गंभीर होते हैं। सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि घायल व्यक्ति को समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाती, जिससे कई बार उसकी जान चली जाती है। इसके अलावा आरोपी के फरार हो जाने के कारण पीड़ित परिवार को न्याय मिलने में भी कठिनाई होती है। यह न केवल व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि समाज में असुरक्षा की भावना भी पैदा करती है।

इन घटनाओं को रोकने के लिए कई स्तरों पर प्रयास करने की आवश्यकता है। सबसे पहले सरकार को ट्रैफिक नियमों को और सख्ती से लागू करना चाहिए तथा हिट एंड रन मामलों में कठोर सजा का प्रावधान सुनिश्चित करना चाहिए। इसके साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों और सड़कों पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे और स्पीड मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए जाने चाहिए ताकि आरोपियों की पहचान आसानी से हो सके। नशे में ड्राइविंग पर सख्त कार्रवाई, नियमित जांच और भारी जुर्माना और सजा भी इस समस्या को कम करने में मददगार हो सकते हैं। इसके अलावा जन जागरूकता बेहद जरूरी है। लोगों को यह समझाना होगा कि दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति की मदद करना उनका नैतिक और कानूनी दायित्व है। स्कूल और कॉलेज स्तर पर सड़क सुरक्षा से संबंधित शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि युवा पीढ़ी जिम्मेदार नागरिक बन सके।

इसके साथ ही आपातकालीन सेवाओं जैसे एंबुलेंस और हेल्पलाइन को अधिक प्रभावी और तेज बनाया जाना चाहिए ताकि दुर्घटना के बाद तुरंत सहायता मिल सके। अंततः जयपुर और राजस्थान में बढ़ते हिट एंड रन मामले एक गंभीर चेतावनी हैं। यह समस्या केवल सरकार के प्रयासों से हल नहीं होगी, बल्कि इसमें आम नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि हर व्यक्ति जिम्मेदारी से वाहन चलाए, ट्रैफिक नियमों का पालन करे और दुर्घटना के समय मानवता दिखाए, तो इन घटनाओं में निश्चित रूप से कमी लाई जा सकती है। सुरक्षित सड़कें एक साझा जिम्मेदारी हैं और इसे निभाना हम सभी का कर्तव्य है। इस जिम्मेदारी को हम सभी को निभाना ही होगा। इसके बाद ही सड़क हादसों में कमी लाई जा सकेगी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फेमिना मिस इंडिया की प्रतिभागी केआईआईटी कैंपस पहुंचीं, हुआ भव्य स्वागत

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। केआईआईटी में होने वाले 61वें फेमिना मिस इंडिया कार्यक्रम के लिए क्वालीफाई कर चुकीं 30 स्टेट विजेताओं का परिसर में भव्य स्वागत हुआ। यह पहली बार है, जब पूर्वी भारत के किसी विश्वविद्यालय में इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। ओडिशा सरकार के पर्यटन विभाग के सहयोग से, इस कार्यक्रम का आयोजन केआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत के सहयोग से किया जा रहा है। कैंपस पहुंचने पर, डॉ. सामंत ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। बता दें कि फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता भारत में आयोजित होने वाली सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक है। इस कार्यक्रम की मेज़बानी के लिए विभिन्न राज्यों के बीच प्रतिस्पर्द्धा होती है। इसके भव्य समापन तक, प्रतिभागी केआईआईटी और केआईएसएस में सात दिन बिताएंगी।

इस अवधि में, वे कैंपस का दौरा करेंगी और विद्यार्थियों के साथ संवाद करेंगी। इसके अलावा, वे ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने के लिए पुरी, कोणार्क सूर्य मंदिर और चंद्रभागा बीच जाएंगी। वे पुरी बीच और चंद्रभागा बीच पर एक हेरिटेज वॉक में भी हिस्सा लेंगी। वहीं, मुक्तेश्वर मंदिर में हेरिटेज वॉक में शामिल होंगी।

चूंकि पाना संक्रांति और ओडिया नववर्ष 14 तारीख को पड़ रहे हैं, इसलिए प्रतिभागी उस दिन पारंपरिक ओडिया रीति-रिवाजों का पालन करेंगी। वे ओडिया व्यंजनों का आनंद लेंगी और ओडिशा की मशहूर मिठाई 'छेना पोड़ा' का स्वाद चखकर एक विशेष 'छेना पोड़ा उत्सव' मनाएंगी। समारोह में फेमिना मिस इंडिया 2024 निकिता पोरवाल, केआईआईटी के कुलपति प्रो. सरनजीत सिंह मौजूद थे।

आशा भोसले के निधन पर पाकिस्तानी कलाकारों ने भी जताया शोक

लाहौर/भाषा। महान गायिका आशा भोसले के निधन पर पाकिस्तान के कलाकारों और गायकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें याद किया और उनकी आवाज को पूरी दुनिया के लिए एक अनमोल उपहार बताया। आशा भोसले का रविवार सुबह 92 वर्ष की आयु में ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। उन्हें छाती में संक्रमण और थकान के बाद शनिवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पाकिस्तानी फिल्म एवं टीवी अभिनेता इमरान अब्बास ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह केवल एक देश का नहीं, बल्कि संगीत का नुकसान है। उनके जैसा कोई नहीं था और न ही होगा। आपकी आवाज सिर्फ भारत की नहीं थी, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक उपहार थी। पाकिस्तान में भी हम आपको उतना ही प्यार करते थे।

गायक-अभिनेता अली जफर ने उन्हें एक अद्वितीय कलाकार बताते हुए कहा, उनकी आवाज बेमिसाल थी और उनकी बहुमुखी प्रतिभा अद्भुत थी।

रैली

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी को सोमवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मानिकचक में भाजपा की एक पब्लिक रैली के दौरान समर्थक माला पहना रहे हैं।

ट्रंप परिवार की सौदों की होड़ भावी राष्ट्रपतियों के लिए पद के दुरुपयोग का रास्ता खोल सकती है

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिका के पिछले लगभग सभी राष्ट्रपतियों ने ऐसा कोई भी कदम उठाने से परहेज किया है, जिससे जनता के बीच यह संकेत जाता हो कि उनके परिवार को उनके पद से लाभ मिल रहा है।

हैरी ट्रूमैन ने न सिर्फ राष्ट्रपति पद पर रहते हुए, बल्कि उसके बाद भी अपने नाम से कोई व्यवसाय शुरू करने से इनकार कर दिया। वहीं, रिचर्ड निक्सन को अपने भाई के उनके राष्ट्रपति पद का फायदा उठाने का इस कदर डर था कि उन्होंने उसका फोन टैप करवाया था, जबकि जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने पदभार संभालने से पहले ही अपने व्यक्तिगत शेयर बेच दिए थे। हालांकि, मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह से अलग रुख अपना रहे हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल में उनके परिवार का रियल एस्टेट कारोबार लगभग एक सदी पहले अपनी स्थापना के बाद से विदेश में सबसे तेज विस्तार के दौर से गुजर रहा है। उसकी तरफ से किया जाने वाला हर सौदा टैरिफ (शुल्क) नीति से लेकर सैन्य सहायता तक, अमेरिकी प्रशासन के लगभग हर फैसले को प्रभावित कर रहा है। एरिक और डोनाल्ड जूनियर (ट्रंप के बेटे) के नेतृत्व में संचालित पारिवारिक व्यवसाय ने क्रिप्टोकरेंसी (आभासी मुद्रा) की दुनिया में भी कदम रख दिया है, जिससे अरबों डॉलर का निवेश हासिल हुआ है, लेकिन इस बारे में सवाल भी उठे हैं कि क्या कुछ बड़े निवेशकों को बदले में अनुकूल शर्तों पर कारोबार की छूट तो नहीं दी गई। दोनों भाइयों ने अपने पिता के नेतृत्व वाले प्रशासन के साथ व्यापार करने की इच्छुक कई कंपनियों में या तो निवेश किया है या हिस्सेदारी ली है। पिछले महीने एरिक और डोनाल्ड जूनियर ने एक ऐसी ड्रोन निर्माता कंपनी में करोड़ों डॉलर की हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौते पर दस्तखत किए, जो न सिर्फ पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग का मुख्यालय), बल्कि ईरानी हमलों का सामना कर रहे तथा अमेरिकी सेना पर निर्भर पश्चिम एशियाई देशों के साथ भी विभिन्न अनुबंध हासिल करने की कोशिशों में जुटी है।

मेधा शंकर ने भी 'जिन्नी वेड्स सनी 2' जॉइन करने का क्रेडिट अविनाश तिवारी को दिया

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई जैसे-जैसे अविनाश तिवारी की फिल्म जिन्नी वेड्स सनी 2 की प्रोमोशन्स की स्पीड तेज हो रही है, वैसे-वैसे मेधा शंकर भी अपने को-स्टार अविनाश तिवारी की तारीफों के पुल बांधती नजर आ रही हैं। मेधा ने खुलासा किया कि इस फिल्म का हिस्सा बनने का सबसे बड़ा कारण अविनाश ही थे। प्रोमोशनल बातचीत के दौरान मेधा ने बताया कि सिर्फ स्क्रिप्ट और फिल्म का स्केल ही नहीं, बल्कि अविनाश की मौजूदगी ने उनका फैसला आसान बना दिया। उन्होंने सेट पर अपने एक्सपीरियंस को भरोसे और कम्फर्ट से भरा बताया, जो उनके मुताबिक इंडस्ट्री में खासकर महिलाओं के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, जब आप एक फीमेल एक्ट्रेस होती हैं और थोड़ा शांत स्वभाव की दिखती हैं, तो लोग आपको सीरियसली नहीं लेते। फीमेल पर्सपेक्टिव से कह रही हूं। अविनाश की वजह से ही मुझे बहुत वेलकम फील हुआ। वो नए टैलेंट और महिलाओं के लिए बहुत सपोर्टिव हैं वो एक सिक्योर एक्टर हैं। उन्होंने मुझे ये स्पेस दिया कि मैं खुलकर बता सकूं कि मुझे क्या ठीक नहीं लगता और मैं क्या अलग करना चाहती हूं। ये सब अविनाश से शुरू हुआ, और साथ ही प्रशांत झा सर भी बहुत सपोर्टिव और फीडबैक के लिए ओपन हैं। दोनों ने मुझे हिम्मत से अपनी बात रखने की आज़ादी दी।मेधा ने आगे कहा, वो ऐसे एक्टर हैं जो खुद सजेस्ट करते हैं कि मैं अपने किरदार के हिसाब से डायलॉग्स ले लूं। स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद अगर उन्हें लगता है कि जिन्नी को किसी चीज़ पर स्टैंड लेना चाहिए, तो वो खुद बताते हैं। उन्हें इससे कुछ हासिल नहीं होना, फिर भी वो करते हैं। मैंने पहले कभी किसी मेल को-एक्टर को ये कहते नहीं देखा कि लड़की का किरदार और दमदार होना चाहिए। ये पहली बार नहीं है जब अविनाश को किसी को-स्टार से ऐसी तारीफ मिली हो। इससे पहले उनकी लैला मजनू की को-स्टार त्रिप्ती डिमरी भी उनके सपोर्टिव नेचर की खुलकर सराहना कर चुकी हैं। त्रिप्ती ने याद करते हुए कहा, मुझे लैला मजनू के सेट पर बहुत नर्वसनेस होती थी। मुझे तब एक्टिंग का 'अ' भी नहीं आता था। मैं इतनी घबरा जाती थी कि कभी-कभी लगता था ये मेरे बस की बात नहीं है। उन्होंने बताया कि उस वक्त अविनाश ने सही समय पर उन्हें मोटिवेट किया। ये सब सुनने के बाद अविनाश ही थे जिन्होंने मुझसे कहा, 'नहीं यार, तुम्हें ट्राय करना चाहिए।' उन्होंने ही मुझे एक्टिंग वर्कशॉप जॉइन करने की सलाह दी, उन्होंने कहा।

त्रिप्ती के मुताबिक, वही एक सलाह उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बन गई। उस एक्टिंग वर्कशॉप ने मेरी लाइफ बदल दी। तो थैंक यू अविनाश, उस वर्कशॉप के लिए, उन्होंने आभार जताते हुए कहा। उन्होंने अविनाश को एक शानदार इंसान और बेहद सपोर्टिव को-एक्टर भी बताया। जिन्नी वेड्स सनी 2 को एक स्टैंडअलोन लेकिन सीक्वल की तरह पेश किया गया है, जो एक मिसमैच्ड लव स्टोरी को एक बड़े इंडियन वेडिंग के हंगामे के बीच दिखाती है।

फिल्म में अविनाश एक जिद्दी पहलवान के रोल में नजर आएंगे, वहीं मेधा एक फ्री-स्पिरिटेड लड़की के किरदार में दिखेंगी। कहानी का बड़ा हिस्सा मसूरी की खूबसूरत पहाड़ियों में शूट किया गया है। ह्यूमर, इमोशन्स और शादी के ड्रामे का मिक्स ये फिल्म एक परफेक्ट फैमिली एंटरटेनर बनने का वादा करती है। अविनाश तिवारी के लिए ये फिल्म उनके लगातार बढ़ते प्रोजेक्ट्स की लिस्ट में एक और मजबूत कड़ी जोड़ती है, जिससे उनकी एक भरोसेमंद परफॉर्मर वाली इमेज और मजबूत होती है। वहीं मेधा शंकर भी ऐसे किरदारों के जरिए अपनी अलग पहचान बना रही हैं, जिनमें स्ट्रेंथ और सेंसिटिविटी दोनों झलकती हैं।

अंतिम यात्रा

मशहूर सिंगर आशा भोसले का पार्थिव शरीर सोमवार, को महाराष्ट्र के मुंबई जिले के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

बैलेंस सिखाया नहीं जाता, आदतों से आता है : शिल्पा शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

जब भी योग और हेल्दी लाइफस्टाइल की बात होती है, तो एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी का नाम सबसे पहले आता है। वह लोगों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करती हैं। इस कड़ी में सोमवार को उन्होंने एक ऐसा वीडियो शेयर किया, जिसमें फिटनेस के साथ-साथ मां-बेटी के खूबसूरत रिश्ते की झलक भी देखने को मिली। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से लोगों का ध्यान खींच रहा है। दरअसल, शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी बेटी समीशा शेट्टी कुंद्रा के साथ योग करती नजर आ रही हैं। वीडियो में दोनों मैट पर लेटकर उभय पादंगुष्ठासन करने की कोशिश करती हैं। इस दौरान शिल्पा अपनी बेटी को यह आसन करने के लिए कहती हैं, लेकिन छोटी समीशा कहती है कि वह इसे नहीं कर पा रही। इस पर शिल्पा शेट्टी अपनी बेटी को हिम्मत देती हैं और कहती हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं है, जो आप नहीं कर सकती। मां के इस हौसले के बाद दोनों अनंतासन करती दिखती हैं। इस बार समीशा शेट्टी इस आसन को बहुत अच्छे से कर लेती हैं।

वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में शिल्पा शेट्टी ने अपने इमोशन्स शेयर किए। उन्होंने अपनी बेटी को 'लिटिल योगी' कहते हुए लिखा, ''यह फिट और मजबूत बने रहने की मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। साथ में स्ट्रेच करना, हंसना और सीखना मेरे लिए सबसे खास पल होता है। अगर बच्चों को छोटी उम्र से ही अच्छी आदतें सिखाई जाएं, तो उनका शरीर मजबूत और दिमाग शांत बनता है। बैलेंस सिखाया नहीं जाता, बल्कि रोज की आदतों से अपने आप आता है।''

फेस्टिवल

भगवान शिव के वेश में एक महिला भक्त 'भूतों की सेना' दिखाने वाले कलाकारों से घिरी हुई है। बंगाली नए साल के मौके पर पश्चिम मेदिनीपुर में सोमवार को गजानन फेस्टिवल के दौरान।

नेशनल पेट डे पर कुब्रा सैत ने मजेदार अंदाज़ में जताया अपनी पेट शिफू सैत के प्रति प्यार

मुंबई/एजेन्सी

इस नेशनल पेट डे पर कुब्रा सैत ने अपने फैंस को अपनी प्यारी बिल्ली शिफू सैत से मिलवाते हुए, उसके साथ अपने प्यारे और शरारती रिश्ते की एक झलक दिखाई है, जो जितना क्यूट है, उतना ही मजेदार भी है। हाल ही में सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में कुब्रा मज़ेदार अंदाज़ में अपनी फेलाइन साथी पर खूब प्यार लुटाती नजर आ रही हैं, जो देखते ही देखते चर्चा का विषय बन गया है हालांकि उससे बात करते हुए ओवर-द-टॉप अंदाज में गुनगुनाती कुब्रा सैत की इस क्लिप को खास बना रहा है शिफू के प्रति प्यार जताने का उनका ह्यूमरस अंदाज़। हालांकि इन सबसे बेफिक्र उनकी बिल्ली शिफू, भी कहीं न कहीं इसे एंजॉय करती नज़र आ रही है, जिससे हर पेट पैरेंट तुरंत रिलेट कर सकता है। यकीन मानिए कुब्रा की एक्सप्रेसिव सिंगिंग और ओवर-द-टॉप क्यूट बातों ने एक साधारण पल को भी बेहद एंटरटेनिंग बना दिया है। यह वही अनफिल्टर्ड और कैंडिड इंटरैक्शन है, जो दिखाता है कि पालतू जानवर हमारे अंदर के सबसे बेफिक्र और असली रूप को बाहर ले आते हैं।

सोशल मीडिया पर यह वीडियो फैंस के साथ गहराई से जुड़ गया है, क्योंकि कई लोग इसमें अपनी ही हरकतों की झलक देख रहे हैं। यह हमें यह भी याद दिलाता है कि पालतू जानवरों के लिए प्यार हमेशा शांत और सधा हुआ नहीं होता, बल्कि कभी-कभी वह मस्तीभरा और बिल्कुल बेपरवाह भी हो सकता है। शायद यही वजह है कि यह इतनी बड़ी संख्या में लोगों के दिलों को छू रहा है। फिलहाल अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत प्रोफेशनल मोर्चे पर भी लगातार अपने कामों में व्यस्त हैं। वैसे सैक्रेड गेम्स और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ हर बार अपनी वर्सेटिलिटी साबित कर चुकीं कुब्रा सैत ऑन-स्क्रीन हो या ऑफ-स्क्रीन,हर बार अपनी छाप छोड़ना जानती हैं, लेकिन इस बार लगता है उनसे बाज़ी मार ले गई हैं उनकी प्यारी फरी को-स्टार शिफू सैत।

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण ऐतिहासिक कदम : रुपाली गांगुली

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रुपाली गांगुली ने महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण वाले बिल को ऐतिहासिक बताते हुए खुशी जताई है। रुपाली ने कहा कि यह बिल साल 2023 में पास होने के बाद अब लागू होने जा रहा है, जिससे अगले चुनाव से संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिलाएं होंगी। से विशेष बातचीत में रुपाली गांगुली ने कहा, सालों लगे, लगभग 27-28 साल लग गए। 2023 में बिल पास हुआ और अब जाकर यह लागू होने वाला है। यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पहले लगता था कि कोई पीछे से आ तो नहीं रहा, अब यह है कि मेरे पीछे मेरी सरकार है। अभिनेत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए इतने बड़े सुधार मोदी जी के आने के बाद ही संभव हो पाए। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पहले के समय में बच्चियों को जन्म के समय ही मार दिया जाता था या दूध में डुबो दिया जाता था, लेकिन अब ऐसी खबरें सुनाई नहीं देतीं।

रुपाली ने कहा, मोदी जी हर महिला को अपनी मां, बहन और बेटी के रूप में देखते हैं। उन्होंने महिलाओं को बहुत सम्मान दिया है। मैं बहुत गर्व महसूस कर रही हूं कि मेरे देश में अब संसद में 33 प्रतिशत महिलाएं होंगी। उन्होंने सावित्रीबाई फुले के प्रसिद्ध वाक्य एक बाई शिकली तर पूर्णा परिवार शिकतो का हवाला देते हुए कहा कि एक महिला पढ़ जाती है तो पूरा परिवार पढ़ जाता है। हम बहुत लंबा सफर तय कर चुके हैं, लेकिन अभी भी बहुत काम बाकी है।

रुपाली गांगुली ने कहा कि समाज में अभी भी कई घरों में लड़कियों के साथ भेदभाव होता है, लेकिन अब धीरे-धीरे माइंडसेट बदल रहा है। उन्होंने अपनी पसंदीदा फिल्म 'धुरंधर' और टीवी शो 'अनुपमा' का उदाहरण देते हुए कहा कि ये कहानियां समाज में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। 'अनुपमा' में पहली बार टीवी पर 'जय श्री राम' का नारा लगाया गया और रामनवमी दिखाई गई, जो पहले नहीं होता था। महिलाओं के आरक्षण का पॉलिसी पर क्या असर पड़ेगा? इस सवाल पर रुपाली गांगुली ने कहा कि जब महिलाएं संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ आएंगी तो नीति-निर्माण में बड़ा बदलाव आएगा। महिलाएं एक मां, बेटी और बहन के नजरिए से सोचती हैं। उनकी सोच में भावनात्मक दृष्टिकोण ज्यादा होता है, जो शिक्षा, महिला सुरक्षा और परिवार से जुड़े मुद्दों पर बेहतर नीतियां बनाने में मदद करेगा। हां लेकिन मेरा ये कतई कहना नहीं है कि पुरुषों में भावनाएं नहीं हैं। उनमें भी होती है। उन्होंने कहा, हम सशक्तिकरण की बात करते रहते हैं, लेकिन अब महिलाओं को असली शक्ति मिल गई है। जब महिलाएं खुद नीतियां बनाएंगी तो शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव आएगा। पीएम मोदी के साथ ही रुपाली ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी तारीफ की और कहा कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और रात में बाहर निकलने की स्थिति को बेहतर बनाया है। अंत में रुपाली गांगुली ने कहा, मेरे सेट पर हेयरड्रेसर से लेकर सभी महिलाएं इस खबर से बहुत उत्साहित हैं। यह बदलाव ग्रासरूट स्तर तक पहुंच गया है। मैं मोदी जी को धन्यवाद देती हूं। उन्होंने वो कर दिखाया जो कोई और नहीं कर सकता था।

धर्म ही है सर्वोत्तम मंगल, तप से आत्मा का होता है शुद्धिकरण : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सेवानुरागी मंडलरत्न' श्री वर्धमान जैन मंडल के तत्वावधान एवं आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में वर्षीतप के 400 तपस्यार्थियों की अनुमोदना स्वरूप अष्टान्हिका महोत्सव का विशेष कार्यक्रम गुजराती जैनवाड़ी में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में तपस्यार्थी एवं धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रेणिक एवं कमलेश जैन द्वारा प्रस्तुत प्रभु कृपा से गुरु मिले, गुरु कृपा से प्रभु की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। अपने ओजस्वी एवं सहज शैली में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने धर्म की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि आचार्य भद्रबाहुविजयजी ने धर्म को सर्वश्रेष्ठ मंगल बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सामान्यतः दही, कलश या गाय का दर्शन मंगल माना जाता है, किन्तु वास्तविक और सर्वोत्तम मंगल तो धर्म ही है। जहां भाव रूपी मंगल होता है, वहां शत–प्रतिशत सफलता सुनिश्चित होती है। आचार्यश्री ने कहा कि द्रव्य मंगल से सफलता मिले या न मिले, लेकिन भाव मंगल से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने अहिंसा, संयम और तप, इन तीनों को श्रेष्ठ धर्म बताते हुए कहा कि तप ही वह दिव्य झाड़ है, जो आत्मा में संचित कषायों को पूर्णतः दूर करता है।

तपस्या की गहराई को समझाते हुए उन्होंने कहा कि वर्षीतप करना महत्वपूर्ण है, परंतु पूरे वर्ष आहार संज्ञा पर कितना नियंत्रण हुआ–यह अधिक महत्वपूर्ण है। जिस दिन आहार की लालसा समाप्त हो जाती है, वही वास्तविक धर्म की प्राप्ति का दिन होता है। तपस्वियों की महत्ता बताते हुए आचार्यश्री ने कहा कि जितनी चमक भोजन करने वाले के चेहरे पर होती है, उससे कहीं अधिक तेजस्विता तपस्वी के चेहरे पर दिखाई देती है। उन्होंने श्राविकाओं को मेकअप त्याग का संकल्प लेने की प्रेरणा देते हुए प्राकृतिक सौंदर्य को अपनाने का संदेश दिया। आचार्यश्री ने तपस्यार्थियों को पारणा तक तीन प्रकार की जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी, सिंगिंग लाइफ (उदासी नहीं, आनंदपूर्ण जीवन), शाइनिंग लाइफ (चेहरे पर तेज और आभा), स्माइलिंग लाइफ (हर पल मुस्कान और प्रसन्नता)। उन्होंने कहा कि यदि कुछ क्षणों की मुस्कान से फोटो सुंदर बन सकता है, तो जीवन भर मुस्कुराने से जीवन कितना सुंदर बन सकता है, यह सोचने योग्य है। आचार्यश्री ने तपस्यार्थियों की अनुमोदना करते हुए उनके सुख–साता की मंगलकामना की तथा गुरु तत्त्व की महत्ता बताते हुए कहा कि देव और धर्म का सच्चा मार्गदर्शन गुरु ही कराते हैं। कार्यक्रम का संचालन मंडल के अध्यक्ष विपिन सतावत ने किया, जबकि सचिव भरत जोगाणी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

यूईएफ तमिलनाडु को 'चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लिए कृतसंकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यूनाइटेड इकॉनॉमिक फोरम (यूइएफ) ने एक सौहार्दपूर्ण माहौल में ईद मिलन समारोह का आयोजन चेन्नई के रॉयपेट्टा स्थित आमीर महल में किया जिसमें देश के प्रतिष्ठित उद्योगपति, विद्वान और पेशेवर एकत्रित होकर आपसी भाईचारे, सहयोग और राष्ट्र निर्माण की भावना को साकार किया। नवाबजादा आसिफ अली के स्नेहिल सहयोग से सम्पन्न इस आयोजन में यूइएफ के अध्यक्ष अहमद बुहारी ने उनके निरंतर समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

उन्होंने विशेष रूप से यूइएफ ट्रेड समिट 2025 में नवाबजादा मोहम्मद आसिफ अली की अध्यक्षता और ईद मिलन के लिए उनके इस सहयोग को खूब सराहा।

इस अवसर पर विष्णु मोहन फाउन्हेशन के संस्थापक स्वामी श्रीहरिप्रसाद और रेव. फादर सुंदर राज ने भी उद्बोधन दिया।

उन्होंने समाज में सद्भावना और समावेशिता के महत्व पर प्रकाश डाला। यह आयोजन केवल उत्सव नहीं बल्कि व्यापारिक और पेशेवर समुदाय के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी रहा। संगठन का संकल्प है कि तमिलनाडु को वर्ष 2047 तक 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सक्रिय योगदान दिया जाए।

शपथग्रहण
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में एएफसी गैलेक्सी क्लब की 14वां शपथ ग्रहण (इंस्टॉलेशन) समारोह एक होटल में हुआ। इस मौके पर अंकित चोरड़िया ने क्लब के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली, जबकि नमन बोहरा को सचिव नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के इंस्टॉलेशन डायरेक्टर के रूप में अंकित कोठारी ने संचालन किया। समारोह की खास आकर्षण एक इल्यूजनिस्ट का शानदार प्रदर्शन रहा, जिसने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से सभी उपस्थित सदस्यों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अहिंसा, संयम और तप में मजबूत रहने वाले की देवता भी सेवा करते हैं : मुनिश्री जयधुरंधर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में सोमवार को जयधुरंधर मुनिजी ने कहा कि अहिंसा, संयम और तप में मजबूत रहने वाले की देवता भी सेवा करते हैं। धर्म अपनी अस्थि मज्जा रग और रोम रोम में बसना चाहिए। धर्म अपने भीतर होगा, तब ही हम धार्मिक हो सकते हैं। मात्र धर्म हमें प्रिय लगे, यह काफी नहीं है। धर्म के सिद्धांतों पर दृढ़ रहना महत्वपूर्ण है। हमारी श्रद्धा मेरु पर्वत जैसी होनी चाहिए जिसे देवता भी डिगा न सके। जो साधना में अडिग रहता है उसे अनेक लब्धियां सुलभ हो जाती है।

इससे पूर्व जय जाप के साथ प्रवचन प्रारंभ करते हुए जयपुरंदर मुनिजी ने कहा कि सिद्धांतों में कभी परिवर्तन नहीं होता है। तीर्थंकर की वाणी त्रिकाल सत्य होती है। वर्तमान में जो हो रहा है या चल रहा है वह सभी प्रभु की दृष्टि में स्पष्ट था। हमारी प्रज्ञा मंद हो सकती है किंतु प्रभु की वाणी में शंका का स्थान नहीं है। जिज्ञासा रखना गलत नहीं है किंतु वाणी को तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत करना अनुचित है। तीर्थंकर की वाणी विज्ञान के धरातल पर भी सत्य साबित हुई है और अनेक अन्वेषक गहराई से इस पर शोध में लगे हुए हैं। दृढ़ श्रद्धा ही हमें श्रावक बनाती है। सभा का संचालन संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। इससे पहले आचार्य श्री पार्श्वचन्द जी, डा. पदमचंद्रजी का अलसूर पहुंचने पर श्रावक संघ के साथ महिला मंडल, जैन युवक संघ एवं नवकार बहु मंडल के सदस्यों ने श्रद्धा सहित स्वागत किया।

कविता में संवेदना, करुणा और दृष्टि महत्त्वपूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' की रविवार को आयोजित मासिक काव्यगोष्ठी में कविता के अवयव पर जमकर चर्चा हुई। 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने समागत रचनाकारों का स्वागत करते हुए कहा कि कविता में संवेदना यथार्थ का करुणा से अभिषेक करती है। कविता में यथार्थ को देखने की कवि दृष्टि विलक्षण होती है। इसी की बदौलत कविता प्रासंगिक और कालजयी होती है अन्यथा क्षणजीवी। उन्होंने 'भिक्षुक', 'तोड़ती पत्थर' और 'मा निषाद.. का उल्लेख करते हुए कविता में संवेदना, करुणा और कवि दृष्टि को महत्त्वपूर्ण बताया। डॉ मैथिली राव ने कविता में लोकमंगल को केन्द्रीय भाव बताते हुए कवि को मनुष्यता का जाग्रत विवेक कहा। रचना गोष्ठी में नयी दिल्ली से पधारे विशिष्ट अतिथि और आलोचना कोश के संपादक डॉ हरेराम पाठक ने कविता के कालजयी होने में औचित्य की महत्ता पर प्रकाश डाला।

काव्यगोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ गजलगो डॉ सुधा दीक्षित कर रही थीं। उन्होंने कई उम्दा गजलें सुनाकर समा बांधा। शुरुआत 'शब्द' के कार्यक्रम संयोजक श्रीकान्त शर्मा की स्वरचित सस्वर सरस्वती वंदना से हुई। संचालन किया ऋता शेखर मधु ने। उनके काव्य पाठ और सधे हुए संचालन की सभी ने प्रशंसा की। वरिष्ठ गीतकार आनंद मोहन झा, युवा कवि दीपक सोपोरी और युवा गीतकार लोकेश कुमार मिश्र अपनी रचनाओं के प्रभावशाली पाठ से खूब जमे। वरिष्ठ कवयित्री डॉ मंजु गुप्ता 'लता', रचना उनियाल, नलिनी पोपट, उमा नाग और प्रीति राही की कविताओं एवं गजलों ने श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। कृष्ण कुमार पारीक, श्रीकांत शर्मा, पीयूष शर्मा, डॉ रमाकांत गुप्ता, नमिता सिन्हा और राही राज की कविताएँ जीवन के यथार्थ को केंद्रित कल्पना की उड़ान थीं। 'शब्द' के अध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापन के दौरान कृष्ण कुमार पारीक की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

समाज के नवनिर्माण में कन्याओं और महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली से गदग की पदयात्रा के दौरान नलवड़ी के सीबीजी इंग्लिश मीडियम स्कूल में सोमवार को विभिन्न गांवों–नगरों की कन्याओं और महिलाओं की परिचर्चा में जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि बदलते परिवेश में समाज के नवनिर्माण में महिलाओं और कन्याओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। कभी घर की चार दीवारी में सिमटकर रहने वाली स्त्रियां आज समाज, धर्म और राष्ट्र के विकास में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। पढ़ाई में उनकी हिस्सेदारी पुरुषवर्ग से कहीं ज्यादा होने लगी हैं। दृढ़ संकल्प, गहरी लगन और अथक परिश्रम ने उनकी सफलताओं के द्वार खोल दिए हैं। अभी अभी आए कुछ परीक्षाओं के परिणाम इस बात की पुष्टि करते हैं। आधुनिक युग में युवकों की तुलना में कन्याओं में धीरता, गंभीरता, सहनशीलता और परिपक्वता जैसे गुण अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। यदि इन सबके साथ चारित्रिक पवित्रता भी रही तो मानकर चलिए कि आने वाला जमाना कन्याओं और महिलाओं के नाम होगा। जैनाचार्य ने बताया कि समाज में अनेक विषमताएं हैं। सामूहिक प्रयासों से ही उन्हें दूर किया जा सकता है। कन्या और महिला वर्ग का दृढ़ संकल्प समाज में व्यापक बदलाव ला सकता है। पढ़ाई, फैशन, धन और पेशे से भी बढ़कर हैं मनुष्य का चरित्र। इस तथ्य को हमें नहीं भूलना चाहिए। अकेले भौतिक विकास के बलबूते पर जीवन सुखशांति पूर्वक व्यतीत नहीं हो सकता। गुण और पवित्रता बेशकीमती होते हैं। परिवार की परवरिश में यदि खामियां रह गईं तो मानों बाकी सब किया–कराया गुड़गोबर हो जाएगा। प्रवचन सभा में स्थानीय सरपंच, प्रिंसिपल और अनेक ग्रामजनों ने जैनाचार्य के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया। गणि पद्मविमलसागरजी ने भी परिचर्चा में उपस्थित जनों का मार्गदर्शन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

बेंगलूरु में चातुर्मास करने आए डा.समकित मुनिजी इन दिनों बेंगलूरु के उपनगरों में विचरण कर रहे हैं। सोमवार को ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ जैन, महामंत्री नेमीचन्द दलाल, उपाध्यक्ष जसवंत गन्ना, किशोर दलाल, प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना आदि ने इलेक्ट्रानिक्स सिटी स्थित रांका अपार्टमेन्ट में विराजित समकितमुनिजी आदि संतों के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की।

महिला आरक्षण पर कल विपक्षी दलों की बैठक होगी : खरगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि महिला आरक्षण अधिनियम के कार्यान्वयन पर विचार–विमर्श के लिए उनकी पार्टी 15 अप्रैल को विपक्षी दलों की बैठक बुलाई जाएगी। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सरकार ने इस विषय पर संबंधित पक्षों से विचार–विमर्श नहीं किया है। खरगे के अनुसार कांग्रेस इस महिला आरक्षण कानून का पूरा समर्थन करती है, लेकिन इसके व्यापक राष्ट्रीय निहितार्थों को देखते हुए इसके कार्यान्वयन पर व्यापक चर्चा की जरूरत है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''केंद्र ने एक बैठक बुलाई है। (संसदीय कार्य मंत्री) किरेन रीजीजू या यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मुझे लिखे गए पत्र का मैं पहले ही जवाब दे चुका हूं।'' उन्होंने कहा, ''अगर वे (केंद्र) सभी दलों को बुलाते हैं और चर्चा करने देते हैं, तो हम भाग ले सकते हैं और अपने सुझाव दे सकते हैं। लेकिन वे सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि हम एक बार फिर 15 अप्रैल को 'सर्वदलीय बैठक' (विपक्षी दलों की बैठक) बुला रहे हैं। हम उस बैठक में जो भी निर्णय लेंगे, हम उसके बारे में बताएंगे।''

राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस ने लगातार महिला आरक्षण का समर्थन किया है। उन्होंने दावा किया, ''हममें से कोई भी नारी शक्ति वंदन अधिनियम या महिला आरक्षण अधिनियम का विरोध नहीं कर रहा है। हम पहले ही इसका समर्थन कर चुके हैं और यह एक ऐसा अधिनियम है जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया है। वे बस इसका राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं।'' पार्टी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा एक तिहाई आरक्षण का समर्थन किया है।

खरगे के मुताबिक, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने यह बात काफी पहले उठाई थी।

उत्तरप्रदेश सेवा मण्डल के 'होलिकोत्सव' में हुआ विशिष्ट सदस्यों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय उत्तरप्रदेश सेवा मण्डल का होली स्नेह मिलन समारोह 'होलिकोत्सव' रविवार को वैष्णव समाज भवन में आयोजित हुआ जिसमें बड़ी संख्या में सदस्य अपने परिवार के साथ शामिल हुए। नन्हें–मुन्ने बच्चों से लेकर महिलाओं और पुरुषों की मंडली ने गीत–संगीत एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से समारोह में समां बांधा। होलिकोत्सव में सबने मिलकर फूलों की होली खेली और एक–दूसरे को शुभकामनाएँ दी। समारोह कीशुरुआत मुख्य अतिथि एवं मंडल के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वली पाशा का सम्मान किया गया। अध्यक्ष केके दुबे ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि संस्था की ओर से समाज भवन का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा। नन्दिनी श्रीनिवास, वली पाशा, विनय पाण्डेय एवं जबीउल्ला द्वारा सदाबहार पुराने फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं। समारोह में मण्डल की ओर से पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गर्ग, पूर्व कोषाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, पूर्व सचिव योगेश मित्तल, सभाजीत जायसवाल, सूरज एम. का उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान किया गया। इसके साथ ही मंडल की महिला सदस्यों ने गायिका नन्दिनी श्रीनिवास एवं अंजना शर्मा का भी सम्मान किया। समारोह में गीत–संगीत एवं नृत्य के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले बच्चों व अन्य कलाकारों को मंडल की ओर से सर्टिफिकेट एवं उपहार देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष एनके गुप्ता, गोपाल चौरसिया, संयोजक छोटेलाल चौरसिया, सचिव वीके पटेल, कोषाध्यक्ष विवेक गोयल, सभाजीत जायसवाल, नवीन गोविल, पूर्व सचिव प्रमोदकुमार जैन, योगेश मित्तल आदि उपस्थित थे। एनके गुप्ता ने संचालन किया और सचिव वीके पटेल ने धन्यवाद दिया।

हनुमंतनगर जैन संघ की बैठक आगामी चातुर्मास को लेकर हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमन्तनगर में वर्ष 2026 के चातुर्मास व्यवस्था हेतु रविवार को वार्षिक बैठक का आयोजन हुआ। अध्यक्ष गौतम चंद सिंघवी ने सभी संघ सदस्यों का स्वागत अभिनंदन किया। मंत्री सुरेश धोका ने गत सभा की रिपोर्ट पेश की। कोषाध्यक्ष धनराज ख़िंवेसरा मूथा ने लेखा–जोखा पेश किया। आचार्यश्री रामलालजी ने वर्ष 2026 चातुर्मास की स्वीकृति प्रदान की है और आज्ञानुवर्तिनी साध्वी स्वागतश्रीजी के चातुर्मास की संभावना बताई है। ताराचंद भंडारी ने संघ निर्देशिका की संक्षिप्त में रिपोर्ट पेश की । चातुर्मास व्यवस्था हेतु विभिन्न चेयरमैन की सर्वसम्मति से नियुक्ति हुई। धनसंग्रह हेतु ताराचंद भंडारी, भोजन समिति हेतु हेमंत लुकड़ एवं प्रकाशचंद लोढ़ा, हॉल व्यवस्था हेतु राजेश बाफणा, वयावच्च हेतु महावीर चंद बुबकिया, आवास निवास हेतु मुकेश ढलेरिया की नियुक्ति की गई। ट्रस्ट के मंत्री उत्तमचंद बोहरा ने ट्रस्ट की ओर से चातुर्मास में पूर्ण सहयोग देने की बात कही। इस अवसर पर संघ के मार्गदर्शक कल्याणसिंह बुरड़, हुकमीचंद कांकरिया, संघ के उपाध्यक्ष हुकमीचंद बाफणा, नेमीचंद दक, सहमंत्री रोशन बाफणा, संजय सिंघवी, रमेश गुंदेचा, कोषाध्यक्ष धनराज ख़िवेसरा मुथा, साधु मार्गी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष गोपाल चंद खिंवेसरा आदि उपस्थित थे। संघ के सहमंत्री संजय सिंघवी ने धन्यवाद दिया।

महिला वर्ग में रैकेट रेबल्स टीम व पुरुष वर्ग में शटल स्ट्राइकर्स टीम बनी 'कटारिया कप' विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कांठा प्रांत साजनान संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में कांठा प्रांत जैन मित्र मंच राजाजीनगर द्वारा आयोजित कटारिया कप सीज़न 2 बैडमिंटन के खिताबी मुकाबले के महिला वर्ग में रैकेट रेबल्स व पुरुष वर्ग में शटल स्ट्राइकर्स टीम ने बाजी मारी। इस प्रतियोगिता के महिला वर्ग के फाइनल्स में विकास गजेन्द्र गुगलिया व विवेक पितलिया की टीम रैकेट रेबल्स ने केवलचंद शैलेष गुगलिया की टीम ऐस एवेंजर्स को तथा पुरुष वर्ग में ज्ञानचंद हेमंत कटारिया की टीम शटल स्ट्राइकर्स ने ऐस एवेंजर्स टीम को कड़े मुकाबले में हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में राजाजीनगर संघ अध्यक्ष मनसुखलाल गांधी ने कहा कि प्रतियोगिता आयोजन का उद्देश्य कांठा प्रांतीय युवाओ की खेल प्रतिभा में निखार लाना तथा युवाओं की नेटवर्किंग का विस्तार करना है। मित्र मंच अध्यक्ष अजीत कटारिया ने सभी का स्वागत किया ।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.